राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात, संस्करण सोमवार,07सितम्बर2020 वर्ष–3, अंक –222 पृष्ठ–08 मूल्य–01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ईरानी रक्षा मंत्री से राजनाथ सिंह की मुलाकात, द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय सुरक्षा पर हुई चर्चा

नई दिल्ली।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि ईरानी रक्षा मंत्री ब्रिगेडियर जनरल आमिर हतामी के साथ हुई उनकी मुलाकात ''अत्यंत सार्थक रही और इस दौरान द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने तथा अफगानिस्तान सहित क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। राजनाथ सिंह शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में शामिल होने संबंधी अपनी तीन दिवसीय मॉस्को यात्रा के समापन के बाद लौटते हुए शनिवार को तेहरान पहुंचे थे। उन्होंने मॉस्को में रूसी, चीनी और मध्य एशियाई देशों के समकक्षों से द्विपक्षीय वार्ता की थी। सिंह ने ट्वीट किया कि तेहरान में ईरानी रक्षा मंत्री ब्रिगेडियर जनरल आमिर हतामी से ''अत्यंत सार्थक मुलाकात हुई। हमने अफगानिस्तान सहित क्षेत्रीय सुरक्षा और द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की। रक्षा मंत्री के कार्यालय ने एक अन्य ट्वीट में ईरान के रक्षा मंत्री के अनुरोध पर शनिवार को हुई बैठक के बारे में कहा, ''दोनों रक्षा मंत्रियों ने द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा की तथा अफगानिस्तान में शांति और स्थिरता सहित क्षेत्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि दोनों मंत्रियों की बैठक बहुत ही ''सौहार्दपूर्ण और गर्मजोशी के माहौल में हुई। दोनों नेताओं ने भारत और ईरान के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक, भाषायी और सभ्यतागत संबंधों पर जोर दिया। सिंह का ईरान दौरा इस मायने में महत्वपूर्ण है कि उन्होंने यह दौरा फारस की खाड़ी के हालात पर भारत की चिंता व्यक्त करते हुए और क्षेत्र के सभी देशों से बातचीत के जरिए पारस्परिक सम्मान के आधार मतभेदों को दूर करने का आह्वान करने के एक दिन बाद किया है। फारस की खाड़ी में हाल के हफ्तों में ईरान, अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात से संबंधित कई घटनाएं हुईं जिससे इलाके में तनाव बढ़ा है। मॉस्को में शुक्रवार को एससीओ की बैठक को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, ''हम फारस की खाड़ी में उत्पन्न हालात को लेकर बहुत चिंतित हैं। उन्होंने एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा, ''हम इलाके के देशों को - जो सभी भारत के प्रिय और मित्र हैं- पारस्परिक सम्मान के आधार पर, संप्रभुता और एक-दूसरे के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करने के सिद्धांत पर बातचीत के जरिए विवादों को सुलझाने का आह्वान करते हैं। उल्लेखीनीय है कि पिछले महीने ईरानी नौसेना ने कुछ समय के लिए लाइबेरिया के ध्वज वाले तेल टैंकर पर कब्जा कर लिया था, जिसके बारे में अमेरिका का कहना था कि यह हॉरमुज जलमरूमध्य के नजदीक अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में था। यह जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और दक्षिण एवं अरब की खाड़ी से जोड़ता है। ईरान ने धमकी दी थी कि अगर उसके परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका तेहरान की अर्थव्यवस्था पर चोट पहुंचाने के लिए प्रतिबंध लगाता है (हालांकि, अमेरिका प्रबंध लगा चुका है) तो वह हॉरमुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले तेल टैंकरों के मार्ग को बाधित कर देगा।

केजरीवाल ने शुरू किया एंटी डेंगू अभियान, अपने घर में रुके साफ पानी को हटा की साफ-सफाई

नेशनल डेस्क।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को अपने आवास पर 'रूका हुआ पानी हटाकर दिल्ली सरकार का दस दिवसीय डेंगू निरोधक अभियान शुरू किया। इस अभियान के तहत दिल्ली में मच्छर जनित इस रोग की रोकथाम पर लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने के प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से ट्वीट किया गया कि माननीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने घर पर रूके हुए साफ पानी को हटाकर डेंगू निरोधक अभियान का शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा कि पिछले दो साल की तरह इस बार भी दिल्लीवासी इस पहल को सफल बनाने और डेंगू को हराने के लिए साथ आएंगे। दिल्ली और अपने परिवार को डेंगू से बचाने के लिए हमने पिछले साल अभियान चलाया था। मुझे पूरा विश्वास है कि दिल्ली के लोग इस बार भी डेंगू को हराएंगे।- माननीय मुख्यमंत्री श्री उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, मंत्रिमंडलीय सहयोगियों--राजेंद्र पाल गौतम और कैलाश गहलोत ने इस अभियान के तहत संबंधित तस्वीरें और वीडियो साझा किये। सिसोदिया ने ट्वीट किया कि अक्सर हमें लगता है कि हमारे घर में तो एक भी जगह ऐसी नहीं है जहां पानी रूका रहे। पर, अगर 10 मिनट लगाकर ठीक से देखेंगे तो कहीं न कहीं रूका पानी निकल ही आता है इसीलिए 10 हफ्ते 10 बजे 10 मिनट अभियान में शामिल होना जरूरी है-अपने परिवार को डेंगू से बचाकर रखने के लिए। केजरीवाल ने ट्वीट किया कि दिल्ली के लोगों ने एक बार फिर डेंगू के खिलाफ जंग की शुरुआत कर दी है, अगले 10 हफ्ते तक चलने वाले इस महाअभियान में आज पहले रविवार को मैंने भी अपने घर में जमा साफ पानी को बदला और मच्छर पैदा होने की सम्भावना को खत्म किया।

जनरल नरवणे ने जवानों से कहा- देश की नजरें हम पर हैं, ऐसे हालात में जोश के साथ हमें संयम से भी काम लेना होगा

नेशनल डेस्क। लद्दाख सेक्टर में चीन के साथ जारी संघर्ष के बीच आर्मी चीफ जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने भारतीय सैनिकों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि इस समय पुरे देश की नजरें सेना पर टिकी हुईं हैं और वर्तमान हालात में हमें जोश और संयम दोनों से काम लेने की जरूरत है। जनरल नरवणे 2 और 3 सितंबर को लद्दाख सेक्टर के दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने फॉरवर्ड पोजिशन का दौरा भी किया था और सुरक्षा हालातों का जायजा लिया। यही वह इलाका है, जहां भारत और चीन के बीच पिछले 4 महीनों से तनाव चल रहा है। आर्मी चीफ ने लद्दाख सेक्टर में विभिन्न ऑपरेशंस में जवानों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि आज के हालात में खुद पर नियंत्रण बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमें जोश के साथ धीरज से भी काम लेना होगा। ार्मी चीफ ने शुक्रवार को कहा था कि लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर हालात थोड़े नाजुक और गंभीर हैं। हमने कुछ जगहों पर ऐहतियातन जवान तैनात किए हैं, ताकि अपनी सीमाओं की सुरक्षा कर सकें। हमारे जवानों का मनोबल ऊंचा है, वे हर चुनौती से निपटने के लिए तैयार हैं।

संक्षिप्त समाचार

नाराज नेताओं से शिवराज की दो टूक- रुतबा तभी तक है जब तक सरकार है

भोपाल। उपचुनाव को लेकर बीजेपी में बैठकों का दौर जारी है। इनमें पार्टी के स्थापित नेताओं और कांग्रेस छोड़ बीजेपी में आए सिंधिया समर्थकों में तालमेल बैठाने की पूरी कोशिश की जा रही है। इसी बीच बीजेपी कार्यालय में पार्टी की बैठक में सीएम शिवराज सिंह ने बड़ा बयान दिया है कि रुतबा तभी तक है जब तक सरकार है। उनके इस बयान के बाद एक बात तो साफ हो गई है कि पार्टी में कहीं न कहीं अन्तर्कलह चल रही है। दरअसल, बीजेपी उपचुनाव में पूरे दमखम और तैयारी के साथ उतरना चाहती है। भोपाल में आज की बैठक का मकसद भी एकजुटता ओर समन्वय का संदेश देना ही रहा। इस दौरान सीएम शिवराज सिंह चौहान असंतुष्ट ओर नाराज नेताओं से कहा, रुतबा तभी तक है जब तक सरकार है। सब नाराजगी भूलकर चुनावी मैदान में उतरना है, जनता के बीच जाना है। इसके लिए पार्टी वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से पूरा संवाद बना रहे, जनहित से जुड़े मुद्दे हर हाल में पूरे किए जाएंगे। किसी भी कीमत में सभी 27 कि 27 सीट जीतना है, 100 प्रतिशत रिजल्ट आना चाहिए। बता दें कि प्रदेश की 27 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव को लेकर बीजेपी जोर शोर से तैयारियों में जुट गई है। पार्टी नेताओं से फीडबैक लेने और चुनावी रणनीति को लेकर मंथन के लिए बीजेपी ने प्रदेश कार्यालय में एक बड़ी बैठक की। इस बैठक में सभी क्षेत्रीय विधायक और सांसदों को बुलाया गया। वहीं इससे पहले सीएम हाउस में भी एक बैठक का आयोजन किया गया था।

संविधान के मूल ढांचे का सिद्धांत दिलाने वाले केशवानंद भारती का निधन

नेशनल डेस्क। केशवानंद भारती का रविवार को यहां निधन हो गया। उनकी याचिका पर ही सुप्रीम कोर्ट ने 'संविधान के मूल ढांचे के बारे में ऐतिहासिक निर्णय दिया था। सत्तर के दशक के प्रारंभ में इस मामले की सुनवाई 68 दिनों तक चली थी और यह सुप्रीम कोर्ट में चली अब तक की सबसे लंबी कार्यवाही थी। सुनवाई पीठ में 13 न्यायाधीश शामिल थे, जो शीर्ष न्यायालय में अब तक की सबसे बड़ी पीठ थी। उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई नेताओं ने केरल के 79 वर्षीय संत के निधन पर शोक प्रकट करते हुए कहा कि लोगों के प्रति अपनी सेवा को लेकर वह याद रखे जाएंगे। पुलिस ने बताया कि केरल निवासी संत केशवानंद भारती श्रीपदगलवरु का वृद्धावस्था में होने वाली बीमारियों के चलते यहां एडनीर मठ में निधन हो गया। पुलिस ने कहा, '' हमें मिली सूचना के मुताबिक रविवार तड़के करीब साढ़े तीन बजे उनका निधन हुआ। दिवंगत संत को मठ में विभिन्न तबके और हर क्षेत्र के लोगों ने श्रद्धांजलि दी। वह इस मठ के पांच दशक पहले प्रमुख बने थे। उल्लेखनीय है कि चार दशक पहले भारती ने केरल भूमि सुधार कानून को चुनौती दी थी,जिसने यह सिद्धांत स्थापित किया कि 'सुप्रीम कोर्ट संविधान के मूल ढांचे का संरक्षक है और 13 न्यायधीशों की पीठ ने फैसला सुनाया, जो शीर्ष न्यायालय में अब तक की सबसे बड़ी पीठ थी। हालांकि, केशवानंद को वह राहत नहीं मिली जो वह चाहते थे, लेकिन यह मामला अपने ऐतिहासिक फैसले को लेकर महत्वपूर्ण हो गया जिसने संविधान में संशोधन की संसद की व्यापक शक्तियों में कटौती कर दी। साथ ही, न्यायपालिका को किसी भीसंविधान संशोधन की समीक्षा संविधान संशोधन की समीक्षा संविधान संशोधन की समीक्षा करने की शक्ति भी प्रदान कर दी।

एनईपी 2020

राज्यपाल सम्मेलन को संबोधित करेंगे राष्ट्रपति कोविंद और मोदी

नेशनल डेस्क ।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर राज्यपालों के सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे। क्क्ह्ह की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक शिक्षा मंत्रालय की तरफ से आयोजित इस सम्मेलन में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल होंगे। सम्मेलन का विषय ''उच्च शिक्षा के बदलाव में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भूमिका रखा गया है। राज्यपालों के इस सम्मेलन में सभी राज्यों के शिक्षा मंत्री, राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे। बयान में कहा गया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 21वीं सदी की पहली शिक्षा नीति है, जिसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 के 34 वर्ष बाद घोषित किया गया है। नई शिक्षा नीति को स्कूल और उच्च शिक्षा स्तर दोनों में बड़े सुधारों के लिए लाया गया है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारत को न्यायसम्मत और जागरूक समाज बनाने का प्रयास करती है। यह ऐसी भारत-केंद्रित शिक्षा प्रणाली की परिकल्पना करती है जो भारत को वैश्विक महाशक्ति बनाने में सीधे योगदान करती है। बयान के मुताबिक राष्ट्रीय शिक्षा नीति के जरिए व्यापक परिवर्तन देश की शिक्षा प्रणाली में आदर्श बदलाव लाएगा और प्रधानमंत्री की सोच के अनुरूप आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा में सक्षम एवं सुदृढ़ शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करेगा। देशभर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न पहलुओं पर कई वेबिनार, वर्चुअल कॉन्फ्रेंस और सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। शिक्षा मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने पिछले दिनों राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत उच्च शिक्षा में परिवर्तनकारी सुधारों पर सम्मेलन आयोजित किया था, जिसे खुद प्रधानमंत्री ने संबोधित किया था। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 29 जुलाई को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को मंजूरी दी थी।

यह 21वीं सदी की पहली शिक्षा नीति है और यह 34 साल पुरानी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनपीई), 1986 की जगह लेगी। सरकार के मुताबिक इसका उद्देश्य 21वीं सदी की जरूरतों के अनुकूल स्कूल और कॉलेज की शिक्षा को अधिक समग्र, लचीला बनाते हुए ।

भारत को ज्ञान आधारित जीवंत समाज और ज्ञान की वैश्विक महाशक्ति में बदलना तथा प्रत्येक छात्र में निहित अद्वितीय क्षमताओं को सामने लाना है। भारत को ज्ञान आधारित जीवंत समाज और ज्ञान की वैश्विक महाशक्ति में बदलना तथा प्रत्येक छात्र में निहित अद्वितीय क्षमताओं को सामने लाना है। भारत को ज्ञान आधारित जीवंत समाज और ज्ञान की वैश्विक महाशक्ति में बदलना तथा प्रत्येक छात्र में निहित अद्वितीय क्षमताओं को सामने लाना है।

हरियाणा से राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा की रिपोर्ट आई पॉजिटिव, ट्वीट से की होम आइसोलेशन की जानकारी सांझा

भोपाल। हरियाणा के कांग्रेस राज्यसभा सदस्य दीपेंद्र हुड्डा कोरोना संक्रमण की चपेट में आ गए हैं। रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद वह होम आइसोलेट हैं और इस बात की जानकारी उन्होंने खुद ट्विटर के माध्यम से सांझा की है। दीपेंद्र हुड्डा ने बताया कि मेरी कोरोना कोविड-19 रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। उन्होंने लिखा है कि जो लोग पिछले कुछ दिनों में मेरे संपर्क में आए हैं, खुद ही आइसोलेट हो जाएं और अपनी जांच करवाएं। अब तक देश में कई जनप्रतिनिधि इस खतरनाक महामारी की चपेट में आ चुके हैं। रविवार को ही कर्नाटक के श्रम मंत्री ए शिवराम हेब्बार और उनकी पत्नी के कोरोना संक्रमित मिले हैं। दोनों में कोई लक्षण नहीं नजर आने की वजह से दोनों का घर में ही इलाज चलेगा। हरियाणा में भी पिछले दिनों कई मंत्री-विधायक कोरोना की चपेट में आए थे, वहीं अब कांग्रेस के राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा को भी कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद वह होम आइसोलेट हैं और इस बात की जानकारी उन्होंने खुद ट्विटर के माध्यम से सांझा की है। उन्होंने लिखा है, डॉक्टरों के निर्देश अनुसार बाकी के टेस्ट किए जा रहे हैं। आप सभी की दुआ से शीघ्र ही ठीक होकर आप सबके बीच वापस लौटूंगा। जो लोग पिछले कुछ दिनों में मेरे संपर्क में आए हैं, खुद ही आइसोलेट हो जाएं और अपनी जांच करवाएं। उधर, इससे पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज, कर्नाटक के मुख्यमंत्री येदियुरप्पा कई बड़े नेता इसकी चपेट में आ चुके हैं। हालांकि ज्यादातर लोग इस वायरस को मात देकर ठीक हो चुके हैं। इससे पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज, कर्नाटक के मुख्यमंत्री येदियुरप्पा कई बड़े नेता इसकी चपेट में आ चुके हैं। हालांकि ज्यादातर लोग इस वायरस को मात देकर ठीक हो चुके हैं।

अरुण मिश्राः

एक ऐसे जज जिनके हर फैसले ने बटोरी सुर्खियां मोदी की सराहना कर मचा दिया था तूफान

नेशनल डेस्क।

हाल के वर्षों में उच्चतम न्यायालय के सबसे प्रभावी न्यायाधीशों की बात करें तो उनमें न्यायतमर्ति अरुण कुमार मिश्रा का नाम प्रमुखता से आता है। वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण पर अदालत की अवमानना के मामले में एक रुपये के जुर्माने का मामला हो या उनके द्वारा दिए गए अन्य फैसले, उनका नाम अकसर मीडिया की सुर्खियों में रहा। तीन सितंबर 1955 को वकीलों के परिवार में जन्मे न्यायमूर्ति अरुण कुमार मिश्रा के पिता हरगोविंद मिश्रा जबलपुर उच्च न्यायालय में न्यायाधीश थे। वह दिसंबर 1977 में न्यायाधीश नियुक्त हुए थे और जुलाई 1982 में पद पर रहते उनका निधन हुआ था। अरुण मिश्रा के भाई विशाल मिश्रा मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में न्यायाधीश हैं। उनकी पुत्री भी दिल्ली उच्च न्यायालय में वकील हैं और उनके परिवार में कई रिश्तेदार नामी वकील हैं। यहां यह जान लेना महत्वपूर्ण होगा कि कानून के जानकारों के परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा ने विज्ञान में स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई की लेकिन उनकी स्वाभाविक रुचि कानून में ही थी, इसलिए उन्होंने बाद में कानून की पढ़ाई की। उन्होंने 1978 से 1999 के बीच मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में वकालत की। इस दौरान वह संवैधानिक, दीवानी, औद्योगिक, सेवा संबंधी और आपराधिक मामलों में प्रैक्टिस किया करते थे। 1998 में वह 43 वर्ष की आयु में बार काउंसिल ऑफ इंडिया के सबसे कम उम्र के अध्यक्ष बने और वकीलों के हक में कई महत्वपूर्ण कार्य किए। उल्लेखनीय है कि लगभग 21 वर्ष की वकालत के दौरान वह मध्य प्रदेश में ग्वालियर के जीवाजी विश्वविद्यालय से जुड़े रहे ।

गुजरात दंगे- मुआवजे केस से कोर्ट ने हटाया मोदी का नाम

नेशनल डेस्क। गुजरात की एक अदालत ने 2002 के दंगों में मुआवजे को लेकर दाखिल एक मुकद्दमे से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम हटा दिया है। एक ब्रिटिश परिवार ने गुजरात दंगों में मारे गए तीन रिश्तेदारों के लिए मुआवजे के तौर पर 23 करोड़ रुपए की राशि का मुकद्दमा दायर किया था। साबरकांठा जिले की अदालत ने पीएम मोदी का नाम शामिल करने के लिए उचित वजह नहीं होने का तर्क देते हुए उनका नाम हटा दिया। प्रिंसपल सिविल जज एस. के गढ़वी ने कहा, अभियोग को पढ़ते हुए यह लगा कि अभियुक्त 1 (मोदी) के खिलाफ बेवजह के आरोप लगाए गए हैं। इससे घटना पर सवालिया निशान लग रहे हैं। जज ने कहा कि अभियुक्त 1 के खिलाफ बिना सबूत के ऐसे निराधार आरोप से ऐक्शन लिए जाने की कोई वजह नहीं बन पाएगी। जज ने कहा कि मोदी को व्यक्तिगत तौर पर जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। बता दें कि ब्रिटिश नागरिक इमरान और शिरिन दाउद ने 2004 में नरेंद्र मोदी और 13 अन्य के खिलाफ मुकद्दमा दायर किया था। जयपुर से नवसरी लौटते वक्त 28 फरवरी 2002 को इन तीनों पर प्रांतीज के पास हमलाकर मौत के घाट उतार दिया गया था।

बेंगलुरु में सामने आया कोरोना के री-इंफेक्शन का पहला मामला, जुलाई में ठीक हुई महिला फिर पॉजिटिव

नेशनल डेस्क। बेंगलुरू के फोर्टिस हॉस्पिटल में कोरोना वायरस के री-इंफेक्शन का मामला सामना आया है। इसे अपनी तरह का पहला मामला बताया जा रहा है। एक 27 वर्षीय महिला जुलाई में कोरोना से संक्रमित पाई गई थी। रिकवर होने के बाद उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। अस्पताल ने आधिकारिक बयान में कहा है कि महिला पर किए गए परीक्षणों से पता चलता है कि उसने कोरोना वायरस के प्रति कोई प्रतिरक्षा विकसित नहीं की थी। अस्पताल के डॉक्टर प्रतीक पाटिल ने कहा, आमतौर पर संक्रमण के मामले में, कोविड इम्युनोग्लोबुलिन जी एंटीबॉडी टेस्ट संक्रमण के 2-3 सप्ताह के बाद पॉजिटिव आता है (यह दिखाते हुए कि रोगी ने कोविड से लड़ने वाली कोशिकाओं का विकास किया है)। हालांकि, इस केस में एंटीबॉडी टेस्ट नेगेटिव निकला है, जिसका मतलब है कि संक्रमित होने के बाद उसके शरीर में इम्युनिटी नहीं बनी। दूसरी संभावना ये है कि एंटीबॉडी एक महीने के भीतर गायब हो गए, जिसकी वजह से री-इंफेक्शन हो गया। री-इंफेक्शन के बाद उसके लक्षण हल्के होते हैं। उन्होंने आगे कहा, री-इंफेक्शन के मामलों का मतलब है कि मरीज के शरीर में एंडीबॉडी शायद नहीं बने। इसकी वजह से संक्रमण फिर से व्यक्ति को अपनी चपेट में ले लेता है। बता दें कि भारत में कोरोना के मामले 41 लाख का आंकड़ा पार कर चुके हैं। कर्नाटक की बात करें तो राज्य में के कुल मामले 3,89,232 हैं और मृतकों की संख्या 6,298 हो गई है। कर्नाटक में 2,83,298 मरीज ठीक हो चुके हैं। बता दें कि भारत में कोरोना के मामले 41 लाख का आंकड़ा पार कर चुके हैं। कर्नाटक की बात करें तो राज्य में के कुल मामले 3,89,232 हैं और मृतकों की संख्या 6,298 हो गई है। कर्नाटक में 2,83,298 मरीज ठीक हो चुके हैं। मृतकों की संख्या 6,298 हो गई है। कर्नाटक में 2,83,298 मरीज ठीक हो चुके हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

संसद में प्रश्नकाल

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की ओर से रूस में चीनी रक्षा मंत्री को खरी-खरी सुनाए जाने के बाद चीन की ओर से जैसी प्रतिक्रिया आई उससे यही संकेत मिलता है कि वह अपने अड़ियल रवैये से बाज आने वाला नहीं है। एक ओर चीनी सेना लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर यथास्थिति बदलने की कोशिश कर रही है और दूसरी ओर चीन सरकार यह डींग हांक रही है कि वह अपनी एक इंच जमीन भी नहीं छोड़ेगी। उसकी ऐसी हठधर्मिता के बाद भारत को यह सवाल उठाना चाहिए कि आखिर लद्दाख में उसकी जमीन कहां से आ गई? भारत को यह भी कहना चाहिए कि चीन तो तिब्बत पर अवैध तरीके से काबिज है और भारत की सीमा उससे मिलती ही नहीं। चीन जिन द्विपक्षीय समझौतों को महत्व देने को तैयार नहीं, उन्हें विश्व समुदाय के समक्ष लाकर उसकी चालबाजी का पर्दाफाश किया जाना चाहिए। चीन सरीखे कपटी देश के साथ सामान्य कूटनीतिक व्यवहार करने का कोई मतलब नहीं। एक ऐसे समय जब विश्व समुदाय चीन के विस्तारवादी रवैये से आजिज आ गया है और अमेरिका तिब्बत का सवाल उठा रहा है तब फिर भारत के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वह भी चीनी नेतृत्व को उसी की भाषा में जवाब दे। यह सही समय है कि भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यह आवाज उठाए कि चीन तिब्बत खाली करे, क्योंकि उसने उस पर कब्जा करने के बाद वादा तो यह किया था कि वह इस क्षेत्र को स्वायत्तशासी बनाएगा। इसी के साथ चीन पर अक्साई चिन के साथ-साथ कश्मीर के उस हिस्से को भी छोड़ने के लिए दबाव बनाया जाना चाहिए, जो उसे पाकिस्तान ने दे दिया था। ये वे भू भाग हैं जिन पर ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से भारत का मजबूत दावा है। इन दावों के पक्ष में तमाम प्रमाण भी उपलब्ध हैं। इन हिस्सों पर चीन के फर्जी और मनगढ़ंत दावों की पोल खोली जानी चाहिए। चूंकि वह ऐसे ही फर्जी दावे दक्षिण चीन सागर को लेकर भी कर रहा है इसलिए उसे बेनकाब करने में विश्व समुदाय का सहयोग लिया जाना चाहिए। उचित तो यह होगा कि भारत चीन के फर्जी दावों से तंग उसके सभी पड़ोसी देशों को नेतृत्व प्रदान करे। इसके अलावा पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर को हासिल करने की इच्छाशक्ति का प्रदर्शन भी करे। यह इस ढंग से होना चाहिए कि चीन को यह सीधा संकेत मिले कि पाकिस्तान के कब्जे वाले इस भारतीय भूभाग पर उसके द्वारा बनाया जा रहा आर्थिक गलियारा भारत को मंजूर नहीं। अहंकारी चीन के साथ कठोर कूटनीतिक व्यवहार इसलिए आवश्यक है, क्योंकि वह शांति और मित्रता की भाषा समझने को तैयार नहीं।

आज के ट्वीट

कब्जा

भारत ने न सिर्फ चीन की सेना को पीछे धकेला बल्कि उन पोस्ट पर भी कब्जा कर लिया जहां 1962 के बाद से अब तक किसी भी देश का कब्जा नहीं रहा. यह भारत के लिए बड़ी रणनीतिक जीत है.

- अर्नब गोस्वामी

वृद्ध माता-पिता परिवार में बोझ बन गये

लेखक- विजय कुमार जैन

जिन माता-पिता ने हमे जन्म दिया, पालन-पोषण किया, अच्छी शिक्षा दिलाकर उन्नत जीवन दिलाया अच्छे संस्कार दिये, मगर हम सब कुछ भूलकर बुढ़ापे में उन माता-पिता को बेसहारा छोड़ देते हैं। वर्तमान पीढ़ी अपने माता द्वारा दिये संस्कारों को भूलती जा रही है। माँ अपने पेट में नौ माह रखकर अनेक कष्टों व परेशानियों को झेलते हुए बेटे को जन्म देती है, बरसात में मकान में टपकते पानी में गीले में न रखकर बेटे को रात भर गोद में सुलाती है, पिता स्वयं परेशानी उठा लेता है अभाव के बावजूद उधार लेकर बेटे का पालन-पोषण करता है तथा उसकी अच्छी शिक्षा हेतु संसाधन जुटाता है। जिस दिन बेटे को नौकरी मिलती है अथवा कारोबार का शुभारंभ होता है उस दिन माता-पिता की खुशी का ठिकाना नहीं रहता है। बेटे की नौकरी लगने या विवाह होने पर माता-पिता की उपेक्षा एवं तिरस्कार का दौर प्रारंभ हो जाता है। अपने माता-पिता जिन्होंने जीवन का हर उतार चढ़ाव देखा है, हर तरह का अनुभव एवं पर्याप्त ज्ञान है, मगर बेटा बहू को उनकी हर गतिविधि असहनीय हो जाती है। पूज्य व आदरणीय परिवार के मुखिया को ताने के साथ कह दिया जाता है कि आपकी सलाह व मदद की हमें आवश्यकता नहीं है। अब जमाना बदल गया है आधुनिक जमाना है, हमें अपने हिसाब से जीवन यापन करने दीजिए, बात-बात में हस्तक्षेप करके हमारे कार्यों में बाधा न डालें तो हम पर आपकी कृपा होगी।

श्रवण कुमार द्वारा अपने अंधे माता-पिता को कावड़ में बैठाकर संपूर्ण भारत के तीर्थों के दर्शन कराये। भगवान श्री राम ने अपने पिता राजा दशरथ के आदेश को शिरोधार्य कर राजपाट छोड़ चौदह वर्ष वनवास का कष्ट मय जीवन व्यतीत किया। उक्त उदाहरण अब युवा पीढ़ी द्वारा बकवास कहे जाने लगे हैं। यहाँ मैं आपको दो उदाहरण दे रहा हूँ एक ही नगर में एक शिक्षक एवं एक पोस्टमास्टर स्थानांतरित होकर आये। दोनों ने एक बड़े मकान में आवास किराये पर लिये। दोनों के बीच परिचय हुआ, पोस्टमास्टर ने अपने परिवार का परिचय देते हुए बताया हम माता-पिता के साथ रहते हैं, पत्नी और दो बच्चे हैं। शिक्षक ने अपने परिवार का परिचय देते हुए कहा मेरे परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं, वृद्ध और बीमार माँ भी हमारे साथ रहती है। इन दोनों परिवारों में हमने भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों को देखने का प्रयास किया, पोस्टमास्टर ने अपने माता-पिता का सम्मान करते हुए कहा कि हम उनके साथ रहते हैं, जबकि शिक्षक के कथन से लगता है कि माँ उनके परिवार पर भार है।

पहले संयुक्त परिवार होते थे परिवार का मुखिया परिवार का सबसे बुजुर्ग सदस्य होता था। मुखिया का पूरा अनुशासन परिवार पर रहता था। बुजुर्गों के साये में परिवार की प्रतिष्ठा और साख रहती थी। अब सब कुछ बदल गया है। अब हम जब अपने बेटे का विवाह करने बात चलाते हैं तो लड़की के पिता की पहली शर्त होती है मेरी बेटी संयुक्त परिवार में नहीं रहेगी। संयुक्त परिवार की परंपरा समाप्त कराने में पाश्चात्य संस्कृति का पूरा योगदान है। एकल परिवार की जब से परंपरा प्रारंभ हुई है तभी से वृद्ध एवं बीमार माता-पिता अभावों के बीच दुखी जीवन जीने मजबूर हो गये हैं। परिवार में आलीशान बंगला बनाया जाता है। उसमें एक कमरा कुत्ते के लिये बनाया जाता है। उसी कमरे के समीप माता-पिता के रहने कमरा बनाया जाता है। माँ, बाप के दुख-दर्द के रखबाले बेटे बहू न होकर घर का चौकीदार कुत्ता होता है। अनेक सम्पन्न परिवारों में माता-पिता की सेवा करने नौकर लगा दिये हैं। माता-पिता की सेवा करने नौकर लगाने की परंपरा की कटु आलोचना करते हुए सुप्रसिद्ध श्वेताम्बर जैन मुनि चन्द्रप्रभ जी महाराज साहब ने विगत दिनों मंगल प्रवचन करते हुए कहा कि आप इतने व्यस्त हो कि माता-पिता की सेवा करने नौकर लगा रहे हो तो फिर अपनी पत्नी से प्रेम करने के लिये भी नौकर लगा दो। संयुक्त राष्ट्र संघ की एक सर्वेक्षण रिपोर्ट में उल्लेख किया है कि भारत में बुजुर्ग बहुत उपेक्षित हैं वृद्धजन अपना दुख दर्द सार्वजनिक नहीं करते, मुंह खोलने पर परेशानी बढ़ने की आशंका के चलते वे चुप रहना ज्यादा पसंद करते हैं। माता-पिता के संरक्षण के लिये कानून भी बने है। एक कानून माता-पिता व वरिष्ठ नागरिक कल्याण अधिनियम 2007 है इसमें बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल के प्रावधान हैं। इसके बाद भारतीय समाज का कड़वा सच यही है कि जो संयुक्त राष्ट्र ने अपनी रिपोर्ट में उजागर किया है। कुछ परिवार भले ही अपने बुजुर्गों का सम्मान करते हों लेकिन सभी परिवारों में वृद्धों का सम्मान नहीं हो रहा है। वृद्ध बीमार माता-पिता का परिवार का अनादर होने, उपेक्षा होने तथा दुर्दशा होने की स्थिति में वृद्ध आश्रम बन गये हैं। जहाँ उन्हें सभी सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रही हैं। विगत वर्षों रायपुर नगर में वृद्धों के लिये एक और प्रयास किया गया है वहाँ पेरेंट्स क्रेच, वृद्ध झूलाघर प्रारंभ किया गया है। जहाँ पर उन्हें सुबह से शाम तक रखा जाता है। नास्ता भोजन के साथ मनोरंजन के साथ विभिन्न उपयोगी कार्य प्रारंभ किये गये हैं। ऐसा कहा गया है कि वह सौभाग्यशाली होता है जिसके सिर पर माता-पिता का साया होता है। जिनके माता-पिता नहीं है उन्हें उनकी याद जीवनभर आती है, यही भारतीय संस्कृति और संस्कार है। क्रांतिकारी राष्ट्र संत पूज्य आचार्य पुलक सागर महाराज ने विगत वर्षों सरधना मेरठ में हजारों स्कूली विद्यार्थियों के बीच प्रवचन करते हुए कहा कि माता-पिता भोजन के भूखे नहीं होते है, वे तो मात्र प्रेम के भूखे होते हैं। आपने विद्यार्थियों को संकल्प दिलाया कि जीवन में कभी भी अपने माता-पिता की आँखों में आंसू नहीं आने देंगे।

पाश्चात्य संस्कृति का ही प्रभाव है कि हम अपने जन्मदाता माता-पिता का उनके जीवन के अंतिम समय में ध्यान न रखकर उनका तिरस्कार कर रहे हैं। इस समस्या को लेकर विशेष अभियान चलाने की आवश्यकता है। यह भी कटु सत्य है अगर हमारे जन्मदाता दुखी रहेंगे तो हम भी सुखी नहीं रह सकते हैं।

नोट-- लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष है।

ज्ञान गंगा

किस्मत

जग्गी वासुदेव/ बहुत सारे लोगों ने अपने जीवन को इस तरह व्यवस्थित किया हुआ है कि उन्हें जीवन में जो चाहिए, उनके पास वो है। यह अलग बात है कि आने वाले समय में वह कोई और चीज हासिल करना चाहते हों। जो लोग ऐसा कर पाने में सफल नहीं हो पाते, वे ऐसे तर्क देते हैं -'मुझे जो चाहिए था, मुझे नहीं मिला, यह मेरी किस्मत है।' अगर यह किस्मत है तो आप शिकायत क्यों कर रहे हैं? अगर यही किस्मत है तो इसे ऊपर बैठ कर किसी ने तय किया होगा। फिर आप शिकायतें क्यों करते हैं? आपको पता है ऐसा क्यों महसूस होता है? क्योंकि आम का मौसम न होने पर भी आप आम खाना चाहते हैं। केले हैं, अमरूद हैं लेकिन आपको आम ही चाहिए, जबकि वह आम का मौसम नहीं है। जब तक आम का मौसम आता है आप केले खा सकते हैं, मगर आप बैठकर रोते रहते हैं कि मुझे तो बस आम ही चाहिए, आम तो दो महीने बाद आएंगे। पर कुछ लोग ऐसे होते हैं जो इंतजार नहीं करना चाहते। वे आम के पेड़ इस तरह से लगा लेते हैं कि उनके पेड़ पूरे साल आम देते रहते हैं। ये आम संख्या में कम होते हैं, स्वाद में भी थोड़े कमतर होते हैं, लेकिन हां इतना तय हो जाता है कि पूरे साल आपको आम मिलते रहते हैं। बस यही जीवन है। कई बार बहुत सी चीजें जो आप चाहते हैं, बाद में मिलती है, लेकिन उस वक्त आपके पास बहुत सारी दूसरी चीजें होती हैं। समस्या यह है कि आप हमेशा एक खास चीज पर ही निगाहें गड़ाए रहते हैं। आप एक ऐसी चीज की इच्छा करते रहते हैं, जिसे हासिल करने की क्षमता आपके पास नहीं है, लेकिन उसके अलावा भी तो बहुत चीजें हैं आपके आसपास। ये धरती लोगों के जीवन को अच्छे से सहारा दे सकती है। आप कहेंगे-पर इस दुनिया में बहुत सारे ऐसे लोग हैं जो बिना भोजन के मर रहे हैं। वो इसलिए है कि एक छोटी सी जगह पर लाखों लोग एक साथ रहते हैं। मसलन आप मुंबई जाकर देखें। एक छोटी सी जगह में डेढ़ करोड़ लोग रह रहे हैं। क्या इसलिए कि उन्हें एक दूसरे से प्यार है और वे एक दूसरे के बिना रह नहीं सकते? नहीं, वे एक दूसरे का गला काट देने को तैयार हैं, फिर भी साथ रहते हैं। तो यह सब प्रेम की वजह से नहीं है, इसकी वजह एक खास किस्म का लालच या एक खास किस्म की मजबूरी है। तो अगर कोई उस शहर की गति के साथ कदम मिलाकर नहीं चल पा रहा है तो हो सकता है वह भूखा रह जाए।

आज का राशिफल

मेष आर्थिक योजना सफल होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। खर्च की अधिकता रहेगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्वों की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा। धन लाभ की संभावना है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण के योग हैं। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होने की संभावना है। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। पराक्रम में वृद्धि होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। विरोधी परास्त होंगे।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

वृश्चिक आर्थिक योजना सफल होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मकर राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। नए अनुबंधन प्राप्त होंगे।

कुम्भ संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की पीड़ा मिल सकती है।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के कारण तनाव हो सकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

क्या 'रुपया' भर कर प्रशांत भूषण ने 'सोलह आने' ठीक किया?

(लेखक- -श्रवण गर्ग)

बहस का विषय इस समय यह है कि वकील प्रशांत भूषण अगर अपने आपको वास्तव में ही निर्दोष मानते हैं तो उन्हें बजाय एक रुपए का जुर्माना भरने के क्या तीन महीने का कारावास नहीं स्वीकार कर लेना चाहिए था ? सवाल बहुत ही वाजिब है। पूछा ही जाना चाहिए। प्रशांत भूषण ने भी अपनी अंतरात्मा से पूछकर ही तय किया होगा कि जुर्माना भरना ठीक होगा या जेल जाना ! प्रशांत भूषण के ट्वीटर अकाउंट पर सत्रह लाख फ़ालोअर्स के मुक़ाबले एक सौ सत्तर लाख से अधिक फ़ालोअर्स की हैसियत रखने वाले 'चरित्र' अभिनेता अनुपम खेर ने भी अपना सवाल ट्वीटर पर ही उठाया है :-'एक रुपया दाम बंदे का ! और वह भी उसने अपने वकील से लिया !! जय हो !! '। निश्चित ही लाखों लोग अब इसी तरह के सवाल प्रशांत भूषण से पूछते ही रहेंगे और उनका जीवन भर पीछा भी नहीं छोड़ेंगे। वे अगर चाहते तो जुर्माने या सजा पर कोई अंतिम फ़ैसला लेने से पहले पंद्रह सितम्बर तक की अवधि ख़त्म होने तक की प्रतीक्षा कर सकते थे पर उन्होंने ऐसा नहीं किया। हो सकता है वे न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा के सेवा निवृत होने के पूर्व ही प्रकरण को समाप्त करना चाह रहे हों ! मैंने अपने हाल ही के एक आलेख ('प्रशांत भूषण को सजा मिलनी ही चाहिए और वे उसे स्वीकार भी करें') में गांधी जी से सम्बंधित जिस प्रसंग का उदाहरण दिया था उसे ताज़ा संदर्भ में दोहरा रहा हूँ। वर्ष 1922 में अंग्रेजों के ख़िलाफ़ अपने समाचार पत्र फ्रयंग इंडिया ' में लेखन के आरोप में (तब ट्वीटर की कोई सुविधा नहीं थी) गांधी जी को अहमदाबाद स्थित उनके साबरमती आश्रम से गिरफ़्तार करने के बाद छह वर्ष की सजा हुई थी। गांधी जी तब आज के प्रशांत भूषण से ग्यारह वर्ष कम उम्र के थे। कहने की ज़रूरत नहीं कि वे तब तक एक बहुत बड़े वकील भी बन चुके थे। हम इस कठिन समय में न तो प्रशांत भूषण से गांधी जी जैसा महात्मा बन जाने या किसी अनुपम खेर से प्रशांत भूषण जैसा व्यक्ति बन जाने की उम्मीद कर सकते हैं।गांधी जी पर आरोप था कि वे विधि के द्वारा स्थापित सरकार के ख़िलाफ़ घृणा उत्पन्न करने अथवा असंतोष फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। अब इसी आरोप को प्रशांत भूषण के ख़िलाफ़ उनके द्वारा की गई सर्वोच्च न्यायालय की अवमानना के संदर्भ में भी पढ़ सकते हैं। गांधी जी ने अपने ऊपर लगे आरोपों और अंग्रेज जज द्वारा दी गई छह वर्ष की सजा को प्रसन्नतापूर्वक स्वीकार कर लिया था। प्रशांत भूषण को अगर सजा सिर्फ़ इतने तक सीमित रहती कि या तो वे एक रुपए का जुर्माना भरें या तीन महीने की जेल काटें तो निश्चित रूप से वे कारावास को प्राथमिकता देना चाहते। पर अदालत ने (क़ानून की व्याख्या और बार कौंसिल ऑफ इंडिया का हवाला देते हुए)जैसा कि कहा है प्रशांत भूषण अगर जुर्माना नहीं भरते हैं तो उन्हें तीन महीने की जेल के साथ ही तीन वर्ष के लिए वकालत करने पर प्रतिबंध भी भुगतना पड़ेगा। बातचीत का यहाँ मुद्दा यह है कि अंग्रेज जज एन. ब्रूफ़फ़ील्ड अगर गांधी जी की सजा के साथ यह भी जोड़ देते कि वे सजा के छह वर्षों तक सरकार के ख़िलाफ़ किसी भी प्रकार का लेखन कार्य भी नहीं करेंगे तो फिर महात्मा क्या करते ? क्या यह न्यायसंगत नहीं होगा कि प्रशांत भूषण द्वारा एक रुपए का जुर्माना भरकर मुक्त होने के मुद्दे को करोड़ों लोगों की ओर से जनहित के मामलों में सुप्रीम कोर्ट में वकालत करने से तीन वर्षों के लिए वंचित हो जाने की पीड़ा भुगतने से बच जाने के रूप में लिया जाए ? अनुपम खेर या उनके जैसे तमाम लोग इस मर्म को इसलिए नहीं समझ पाएँगे कि प्रशांत भूषण किसी फ़िल्मी अदालत में 'अपने निर्देशकों' द्वारा पढ़ाई गई स्क्रिप्ट नहीं बोलते। और न ही जनहित से जुड़ी किसी कहानी में भी स्क्रिप्ट की माँग के अनुसार नायक और खलनायक दोनों की ही भूमिकाएँ स्वीकार करने को तैयार बैठे रहते हैं। प्रशांत भूषण का पूरे विवाद से सम्मानपूर्वक बाहर निकलना इसलिए ज़रूरी था कि नागरिकों की ज़िंदगी और उनके अधिकारों से जुड़े कई बड़े काम सुप्रीम कोर्ट से बाहर भी उनकी प्रतीक्षा कर रहे हैं। बिना किसी अपराध के जेलों में बंद लोगों को इस समय उनकी क़ानूनी सहायता और सांत्वना की सख़्त ज़रूरत है, जो कि ट्वीटर हैंडल पर उनके ख़िलाफ़ ट्रोल करने वाले कभी प्रदान नहीं कर सकते।साथ ही इसलिए भी ज़रूरी था कि अब प्रशांत भूषण उन तमाम लोगों का अदालतों में बचाव कर सकेंगे, जो अपने सत्ता-विरोधी आलोचनात्मक ट्वीट्स या लेखन के कारण अवमाननाओं के आरोप झेल सकते हैं। जिस तरह की परिस्थितियाँ इस समय देश में है उसमें तीन साल तक एक ईमानदार वकील के मुँह पर ताला लग जाना यथा-स्थितिवाद विरोधी कई निर्दोष लोगों के लिए लम्बी सज़ाओं का इंतज़ाम कर सकता था। किन्ही दो-चार लोगों के आत्मीय सहारे के बिना तो केवल वे ही सुरक्षित रह सकते हैं, जो शासन-प्रशासन की ख़िदमत में हर वक्त हाज़िर रहते हैं।प्रशांत भूषण को अगर जुर्माने और सजा के बीच फ़ैसला करते वक्त अपनी अंतरात्मा के साथ किंचित समझौता करना पड़ा हो तो भी उन्होंने करोड़ों लोगों की आत्माओं को अब और ज़्यादा आज़ादी के साथ साँस लेने की स्वतंत्रता तो उपलब्ध करा ही दी है।क्या हमारे लिए इतनी उपलब्धि भी पर्याप्त नहीं है?

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डिज्नी- हॉटस्टार ने कहा, आईपीएल मैच देखना चाहते हो तो पूरे साल का पैसा चुकाओ

मुंबई। डिजिटल कार्यक्रम प्रसारक मंच डिज्नी+हॉटस्टार ने शनिवार को कहा कि आगामी इंडियन प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट (आईपीएल) के मैच उसके केवल वे ग्राहक ही देख सकेंगे जिन्होंने उसके कार्यक्रमों की वार्षिक ग्राहकी ले रखी है। आईपीएल-टी20 का 13वां संस्करण 19 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात में होने जा रहा है। डिज्नी+हॉटस्टार ने कहा कि उसके मंच पर डिज्नी+हॉटस्टार वीआईपी (399 रुपए में 12 माह) और डिज्नी+हॉटस्टार प्रीमियम (1,499 रुपए में 12 माह) योजना के पुराने और नए ग्राहक ही आईपीएल का प्रसारण देख सकेंगे। कंपनी ने कहा है कि उसने डिज्नी+हॉटस्टार वीआईपी योजना की ग्राहकी लेने के इच्छुक लोगों की आसानी के लिए दूरसंचार सेवा कंपनी जियो और एयरटेल से गठबंधन किया है। ये दोनों कंपनियां इसके लिए पूर्व भुगतान पर 12 माह के लिए इस योजना की पेशकश करेंगी। वॉल्ट डिज्नी कंपनी एपीएसी के अध्यक्ष एवं स्टार एंड डिज्नी इंडिया के प्रमुख उदय शंकर ने कहा कि हम डिजिटल प्रसारण में जो प्रौद्योगिकी प्रयोग करते हैं, दर्शक उसके आनंद में डूब जाता है। यह प्रौद्योगिकी नए वैश्विक प्रतिमान स्थापित करेगी। यह प्रौद्योगिकी आने वाले वर्षों में खेल प्रसारण का आनंद उठाने की दिशा भी निर्धारित करेगी।

डीजल 13 पैसे सस्ता, पेट्रोल स्थिर

नई दिल्ली। पेट्रोल की कीमत शनिवार को लगातार चौथे दिन स्थिर रही जबकि डीजल 13 पैसे सस्ता हुआ। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल का मूल्य 82.08 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रहा। कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में भी इसकी कीमत क्रमशः 83.57 रुपये, 88.73 रुपये और 85.04 रुपये प्रति लीटर पर टिकी रही। डीजल इन चारों महानगरों में 13-13 पैसे सस्ता हुआ। दिल्ली में एक लीटर डीजल की कीमत 73.27 रुपये, कोलकाता में 76.77 रुपये, मुंबई में 79.81 रुपये और चेन्नई में 78.58 रुपये रही।

इलेक्ट्रिक कारों को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने कसी कमर, देश के सभी पंपों पर लगेंगे इलेक्ट्रिक चार्जिंग कियोस्क

नई दिल्ली। अगर आपके पास इलेक्ट्रिक कार है या फिर लेने की सोच रहे हैं तो यह खबर आपके लिए है। केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रिक गाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए कमर कस ली है। केंद्र सरकार इलेक्ट्रिक गाड़ियों के लिए चार्जिंग की समस्या से निपटने के लिए एक योजना पर काम कर रही है, जिसके तहत अब देश के सभी 69 हजार पेट्रोल पंपों पर इलेक्ट्रिक चार्जिंग कियोस्क लगाए जा सकते हैं। इसके अलावा सरकार, सरकारी रिफाइनरी कंपनियों के सभी पेट्रोल पंपों पर ईवी चार्जिंग कियोस्क को अनिवार्य करने पर भी विचार कर रही है। इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग पर बैठक के दौरान बिजली मंत्री आर के सिंह ने पेट्रोलियम मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों को आइडिया दिया कि वे अपने प्रशासनिक नियंत्रण के तहत आने वाली पेट्रोलियम विपणन कंपनियों को सभी सीओसीओ पेट्रोल पंपों पर चार्जिंग कियोस्क लगाने का आदेश जारी कर सकते हैं। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, फ्रेंचाइजी पेट्रोल पंप परिचालकों को अपने ईंधन स्टेशनों पर कम से कम एक चार्जिंग कियोस्क लगाने की सलाह दी जा सकती है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार सभी नए पेट्रोल पंपों पर कम से कम एक वैकल्पिक ईंधन का विकल्प अनिवार्य है। बता दें कि वैकल्पिक ईंधन के तहत ज्यादातर नए पेट्रोल पंप इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग सुविधा के विकल्प को चुन रहे हैं। अगर देश के सभी पेट्रोल पंपों पर ईवी चार्जिंग कियोस्क लग जाता है, तो इससे इलेक्ट्रिक वाहनों को जबर्दस्त प्रोत्साहन मिलेगा।

अर्थव्यवस्था में गिरावट के लिए ईश्वर को दोष दे रही हैं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण: संजय राउत

मुंबई। शिवसेना के सांसद संजय राउत ने रविवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर आरोप लगाया कि देश की अर्थव्यवस्था में गिरावट के लिए वह ईश्वर को दोष दे रही हैं। शिवसेना के मुखपत्र सामना में अपने साप्ताहिक आलेख में राउत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सभी मुद्दों पर बात करते हैं, लेकिन ''गिरती अर्थव्यवस्था और संबंधित मुद्दों पर चर्चा से इनकार कर देते हैं। सीतारमण ने पिछले महीने कहा था कि अर्थव्यवस्था को कोविड-19 महामारी के कारण नुकसान पहुंचा है, जो एक ''दैवीय आपदा'' है तथा वर्तमान वित्तीय स्थिति पर दबाव इसके कारण और बढ़ेगा। इसके जवाब में राउत ने लिखा, ''जब भगवान को ही दोषी करार दे दिया जाए तो फिर मुकदमा किस अदालत में चल सकता है? नोटबंदी से लेकर लॉकडाउन तक, अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमरा चुकी है लेकिन केंद्रीय वित्त मंत्री इसके लिए सीधे-सीधे ईश्वर को दोष दे रही हैं। यह हिंदुत्व का अपमान है। यह किस तरह का हिंदुत्व है? राउत ने कहा कि मंत्री की टिप्पणियां उस भारत के लिए उपयुक्त नहीं बैठतीं जो अपने आप को उभरती आर्थिक महाशक्ति बताता है। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था कोविड-19 महामारी के पहले से लड़खड़ा रही थी। राउत ने कहा, ''वर्तमान वित्त वर्ष की पहली तिमाही में जीडीपी में 23.9 फीसदी की गिरावट आई और इसकी वजह मानवीय गलती एवं लापरवाह रवैया है। राउत ने लिखा, ''कोरोना वायरस महामारी और कमजोर अर्थव्यवस्था ईश्वर की इच्छा है तो फिर सरकार और सेना की जरूरत ही क्या है। ईश्वर सब देखेगा।

हिंदुजा ग्लोबल का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 21.7 प्रतिशत बढ़कर 49.2 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली। हिंदुजा ग्लोबल सॉल्यूशंस (एचजीएस) का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जून में समाप्त पहली तिमाही में 21.7 प्रतिशत बढ़कर 49.2 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में हिंदुजा समूह की कंपनी ने 40.4 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी परिचालन आय 1.5 प्रतिशत बढ़कर 1,235.8 करोड़ रुपए पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,218 करोड़ रुपए थी। पिछले साल नवंबर में एचजीएस ने अपने भारतीय घरेलू ग्राहक संबंध प्रबंधन (सीआरएम) कारोबार को एल्टूइस्ट टेक्नोलॉजीज को बेचने की घोषणा की थी।

कोरोना महामारी के बाद भी एसी कोच में रेल यात्रियों को नहीं मिलेंगे कंबल

बिजनेस डेस्क। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन विनोद कुमार यादव ने शनिवार को बताया कि एसी कोच में यात्रा करने वाले रेल यात्रियों को कोविड-19 महामारी के बाद भी अपने कंबल और बेडशीट के साथ यात्रा करनी होगी। यादव ने कहा, हमने यात्रियों को सिंगल-यूज वाली बेडशीट देने का फैसला किया है या फिर महामारी के थमने के बाद भी यात्री अपनी खुद की बेडशीट और कंबल ले जा सकते हैं। इसके लिए एक विस्तृत नीति बनाई गई है और एक निर्णय लिया गया है। बता दें कि कोरोना का संक्रमण फैलने से मार्च में रेलवे ने ट्रेनों के एसी कोच में लगे पर्दे हटा दिए थे। उसके बाद यात्रियों को दिए जाने वाला बेडरोल हटा दिया था। कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए यह व्यवस्था की गई थी। लॉकडाउन होने से 23 मार्च से 20 मई तक ट्रेनों का संचालन बंद कर दिया था। वीके यादव ने कहा कि रेलवे रेल यात्रा के दौरान स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रयास कर रहा है। इसलिए, ऐसा निर्णय लिया गया है। उन्होंने मीडिया रिपोर्टों को भी खारिज कर दिया कि रेलवे लगभग 500 ट्रेनों का संचालन बंद कर सकता है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी ट्रेन के परिचालन को रोकने के लिए कोई निर्णय नहीं लिया गया है और न ही किसी स्टेशन को बंद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम जीरो-आधारित टाइम टेबल तैयार कर रहे हैं।

अगले दो साल में 1,500 करोड़ रुपए का निवेश करेगा अमूल, प्रसंस्करण संयंत्र लगाएगा

नई दिल्ली। गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ लि. (जीसीएमएमएफ) ने अगले दो साल में 1,500 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की है। जीसीएमएमएफ अमूल ब्रांड नाम से उत्पाद बेचती है। जीसीएमएमएफ के प्रबंध निदेशक आर एस सोढ़ी ने कहा कि कंपनी अगले दो साल में दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्रों की स्थापना पर 1,000 करोड़ रुपये खर्च करेगी। इसके अलावा 500 करोड़ रुपये नए उत्पादों मसलन खाद्य तेल की सुविधाओं पर खर्च किए जाएंगे। सोढ़ी ने कहा कि जीसीएमएमएफ को चालू वित्त वर्ष में राजस्व में 12 से 15 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है। बीते वित्त वर्ष में कंपनी की आमदनी 38,550 करोड़ रुपये रही थी। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के बावजूद में हमें आमदनी में अच्छी बढ़ोतरी की उम्मीद है। इसकी वजह यह है कि ब्रांडेड खाद्य उत्पादों की मांग में इजाफा हुआ है। सोढ़ी ने बताया कि कंपनी अगले दो साल में विभिन्न राज्यों में डेयरी संयंत्र स्थापित करने पर करीब 1,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। उन्होंने कहा कि हम अपनी प्रसंस्करण क्षमता को 380 लाख लीटर लीटर प्रतिदिन से बढ़ाकर 420 लाख लीटर प्रतिदिन करेंगे। नए कारोबार के बारे में सोढ़ी ने कहा कि अमूल ने मिठाई का विनिर्माण शुरू कर दिया है। इसके लिए बेकरी उत्पादों का उत्पादन भी शुरू किया गया है। इसके लिए बेकरी उत्पादों का उत्पादन भी शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि जीसीएमएमएफ खाद्य तेल और आलू प्रसंस्करण खंड में भी उतर गई है। इसके पीछे मकसद गुजरात और अन्य राज्यों के किसानों की आय बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि खाद्य तेल का विपणन नए ब्रांड 'जन्मय' के नाम से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके तहत मूंगफली तेल, बिनौला तेल, सूरजमुखी तेल, सरसों तेल और सोयाबीन तेल का उत्पादन किया जाएगा। सोढ़ी ने कहा, 'खाद्य तेल, बेकरी और आलू प्रसंस्करण के लिए हमारे पास पहले से कुछ संयंत्र हैं। हम अगले दो साल में नए संयंत्र स्थापित करने पर 400 से 500 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे।

निजीकरण से पहले बीपीसीएल ने कर्मचारियों को दिया बड़ा तोहफा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार भारत पेट्रोलियम कॉर्प लिमिटेड में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेचने जा रही है। कंपनी ने निजीकरण से पहले अपने कर्मचारियों को बाजार मूल्य से एक-तिहाई दाम पर शेयर विकल्प की पेशकश की है। बीपीसीएल बोर्ड ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। बीपीसीएल में कुल 20,000 कर्मचारी काम करते हैं। सूत्रों की मानें तो बीपीसीएल ट्रस्ट फॉर इन्वेस्टमेंट इन शेयर्स के पास कंपनी की चुकता शेयर पूंजी में 9.33 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसमें से दो प्रतिशत हिस्सेदारी की पेशकश कर्मचारियों को पिछले छह माह के औसत दाम के एक-तिहाई मूल्य पर की जाएगी। कंपनी में सरकार की शेयरधारिता में कोई बदलाव नहीं होगी। सरकार बीपीसीएल में अपनी समूची 52.98 प्रतिशत हिस्सेदारी रणनीतिक निवेशक को बेचने जा रही है। कंपनी के निजीकरण के लिए अनुरोध पत्र (ईओआई) देने की अंतिम तारीख 30 सितंबर है। सरकार ने कहा कि बीपीसीएल के अधिग्रहण के लिए बोली लगाने की इच्छुक कंपनियों को सुरक्षा मंजूरी लेनी होगी। अनुरोध प्राप्त आरएफपी के स्तर पर उन्हें जानकारी दी जाएगी। निवेश एवं लोक संपत्ति विभाग (दीपम) ने सात मार्च को बीपीसीएल की रणनीतिक हिस्सेदारी की बिक्री के लिए जारी प्रारंभिक सूचना ज्ञापन (पीआईएम) को संशोधित करते हुए।

कोरोना इफैक्टः कोविड-19 के दौरान शेयर बाजार में बढ़ी महिलाओं की रुचि

नई दिल्ली। कोविड-19 महामारी के दौरान शेयर बाजारों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि महामारी के दौरान घर के खर्च में योगदान देने तथा वेतन में कटौती और छंटनियों की वजह से महिलाएं अब शेयर बाजारों में रुचि ले रही हैं। इसके अलावा बैंकों की मियादी जमा (एफडी) पर ब्याज दरें कम हो रही हैं, जिसके मद्देनजर महिलाओं बचत के अन्य विकल्पों पर विचार कर रही हैं। दिलचस्प तथ्य यह है कि इनमें से ज्यादातर महिलाएं पहली बार शेयर बाजारों में निवेश कर रही हैं। इनमें बड़ी संख्या गृहणियों की है। शेयरखान बाय बीएनपी परिबा के निदेश शंकर वैलाया ने कहा, ''लॉकडाउन के दौरान शेयर बाजारों में खुदरा भागीदारी बढ़ी है। यह बात महिलाओं पर भी लागू होती है। महिलाएं अब एफडी पर ब्याज में कटौती के मद्देनजर निवेश के अन्य विकल्पों पर विचार रही हैं। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के दौरान एक लाभ यह हुआ कि महिलाओं ने डिजिटल समाधानों के जरिये पूंजी बाजार को लेकर अपनी जानकारी को गहरा किया है। ऑनलाइन ब्रोकरेज कंपनी अपस्टॉक्स ने कहा कि अप्रैल से जून, 2020 के दौरान महिलाओं द्वारा खोले गए खातों में इससे पिछली तिमाही की तुलना में 32 प्रतिशत का इजाफा हुआ। इनमें से 70 प्रतिशत महिलाएं पहली बार शेयर बाजारों में निवेश कर रही हैं। ब्रोकरेज कंपनी की महिला ग्राहकों में से 35 प्रतिशत गृहणियां हैं। अपस्टॉक्स के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि कुमार ने कहा, ''वेतन में कटौती, नौकरियों में छंटनी जैसे कारणों से अब महिलाएं भी परिवार के खर्च में कुछ योगदान करना चाहती हैं। इस वजह से उनका शेयर बाजारों के प्रति आकर्षण बढ़ा है। अपस्टॉक्स के अनुसार 74 प्रतिशत महिला ग्राहक विशाखापत्तनम, जयपुर, सूरत, रांगा रेड्डी, नागपुर, नासिक, गुंटूर जैसे दूसरी और तीसरे श्रेणी के शहरों से हैं। 5पैसा.कॉम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रकाश गगदानी ने कहा कि महिला निवेशक अब अपने पैसे का बेहतर तरीके से प्रबंधन कर रही हैं। अब अपने पैसे का बेहतर तरीके से प्रबंधन कर रही हैं। पूर्व में ज्यादातर महिलाएं शेयरों में निवेश करने से कतराती थीं, लेकिन अब सुगम प्रौद्योगिकी तथा बाजार के बारे में आसानी से जानकारी उपलब्ध होने की वजह से उनका शेयर बाजारों के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है।

ग्राहकी से सोना, चांदी में मजबूती

इंदौर। सप्ताहांत सोना तथा चांदी में ग्राहकी के बीच हाजिर भाव मजबूती लिए रहे। बीते सप्ताह में सोना 425 रुपये प्रति 10 ग्राम तथा चांदी 1025 रुपये की तेजी लिए रही। कारोबार की शुरुआत में सोमवार को सोना 50650 रुपये पर में व्यापार की शुरुआत 60450 रुपये पर हुई वहीं अंतिम दिन सौदे 61575 रुपये के स्तर हुए। कामकाज में सोना ऊंचे में 51300 नीचे में 50600 रुपये प्रति 10 ग्राम बिका। खुलने के बाद शनिवार को 51075 रुपये प्रति दस ग्राम होकर थमा। चांदी में व्यापार की शुरुआत 60450 रुपये पर हुई वहीं अंतिम दिन सौदे 61575 रुपये के स्तर हुए। कामकाज में सोना ऊंचे में 51300 नीचे में 50600 रुपये प्रति 10 ग्राम बिका। व्यापार में चांदी ऊपर में 62025 तथा नीचे 60200 रुपये प्रति किलोग्राम बिकी। विदेशी बाजार में सोना 1931 डॉलर तथा चांदी 26.85 सेंट प्रति औंस बिकी।

सितंबर के पहले चार सत्रों में एफपीआई ने 900 करोड़ रुपए की निकासी की

नई दिल्ली। कमजोर आर्थिक आंकड़ों तथा भारत-चीन सीमा पर तनाव के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने के पहले चार सत्रों में भारतीय पूंजी बाजारों से शुद्ध रूप से 900 करोड़ रुपए की निकासी की है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एक से चार सितंबर के दौरान एफपीआई ने शेयरों से शुद्ध रूप से 675 करोड़ रुपए निकाले। इसी तरह उन्होंने ऋण या बांड बाजार से शुद्ध रूप से 225 करोड़ रुपए की निकासी की। इससे पहले लगातार तीन माह तक एफपीआई शुद्ध लिवाल बने हुए थे। अगस्त में उन्होंने भारतीय पूंजी बाजारों में 46,532 करोड़ रुपए डाले थे। जुलाई में एफपीआई का निवेश 3,301 करोड़ रुपए और जून में 24,053 करोड़ रुपए रहा था। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, ''सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े जारी होने से पहले इस सप्ताह की शुरुआत में विदेशी निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। जून में समाप्त चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि दर में 23.9 प्रतिशत मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, ''सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े जारी होने से पहले इस सप्ताह की शुरुआत में विदेशी निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। जून में समाप्त चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि दर में 23.9 प्रतिशत की भारी गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि कमजोर वैश्विक रुख तथा भारत-चीन सीमा तनाव की वजह से भी एफपीआई ने भारतीय बाजारों में निवेश में रुचि नहीं दिखाई। उन्होंने कहा कि एफपीआई की निकासी की एक और वजह मुनाफावसूली भी रही। भारत-चीन सीमा तनाव बढ़ने तथा कमजोर घरेलू आर्थिक वातावरण के बीच उन्होंने मुनाफा काटा। कोटक सिक्योरिटीज के कार्यकारी उपाध्यक्ष और बुनियादी शोध प्रमुख रस्मिक ओझा ने कहा कि इस सप्ताह एफपीआई का प्रवाह काफी दबा हुआ था। उन्होंने कहा कि भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले 40 लाख के पार निकल गए हैं और अमेरिकी बाजारों में भी बिकवाली का सिलसिला चल रहा है। ऐसे में आगामी सप्ताहों में भी एफपीआई की निकासी जारी रह सकती है।

बिजली बिल भरने से लेकर पासपोर्ट बनने का काम अब होगा डाकघर में, शुरू हुई 73 नई सेवाएं

बिजनेस डेस्क। कोरोना महामारी के दौर में लोगों को बेहतर सुविधा देने के मकसद से भारतीय डाकघर ने 73 सेवाओं को शुरू करने का निर्णय लिया है। डाकघरों में शुरू होने वाली इन सुविधाओं में बिजली बिल भुगतान, पासपोर्ट वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, बीमा जैसे महत्वपूर्ण काम है। इन कामों के लिए लोगों को अब भटकने की जरूरत नहीं सभी काम अब आपके नजदीकी डाकघरों में होंगे। डाक पोस्ट पर दिए जानकारी के अनुसार केंद्र सरकार जल्द ही पूरे देश में कॉमन सर्विस सेंटर खोलने की तैयारी कर रही है। इस सेंटर पर लोगों की सुविधा से जुड़े 73 कामों को किया जाएगा। इन सेंटरों को खोलने की पीछे का कारण कोरोना काल में ऑफिस में भीड़ न बढ़े, जिसके चलते यह फैसला लिया गया है। बता दें कि इन सेंटरों पर कई महत्वपूर्ण काम होंगे। सूत्रों की मानें तो इन सेंटर पर प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम फसल बीमा योजना, आयुष्मान भारत योजना के लिए आवेदन करना, जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र बनाना और मोबाइल और डीटीएच रिचार्ज, फास्ट टैग, बिजली, पानी, टेलीफोन, गैस के लिए भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। बिहार के करीब 300 डाकघरों में पोस्टऑफिस कॉमन सर्विस सेंटर (क्ष्ड्डह्य हृद्गद्धष्टद्ग ष्टद्गठ्ठह्लद्ग) खुलेंगे। सबसे पहले राजधानी पटना के कुछ डाकघरों में इसकी शुरुआत की जाएगी। वहीं डाक विभाग इसको लेकर युद्ध स्तर पर तैयारी कर रहा है। कोरोना संकट के दौरान लोगों को राशन से लेकर दवा तक पहुंचाने के काम में डाकघर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। डाक विभाग ने इसके लिए देश के अलग अलग हिस्सों में लोगों को दवाओं की आपूर्ति के लिए डाक विभाग ने नेट मेड के जरिए दवाओं व अन्य जरूरत की समानों की बुकिंग शुरू की। इसके लिए देश के 17 शहरों में विशेष कार्यालय भी खोला गया।

सरकार के साथ लंबित मुद्दों को उठाने को वाहन उद्योग के विभिन्न संगठनों को एक साथ लाएंगे : फाडा

नई दिल्ली। वाहन डीलरों के संगठन फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) ने कहा है कि वह वाहन उद्योग के प्रमुख निकायों को साथ लाने के लिए काम करेगा जिससे क्षेत्र के विभिन्न मुद्दों को सरकार के समक्ष उठाया जा सके। फाडा के नए अध्यक्ष विन्केश गुलाटी ने कहा कि यह कदम सरकार का ध्यान आकर्षित करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इससे हम सरकार के समक्ष विभिन्न नीतिगत मुद्दों तथा लंबे समय से लंबित मांगों पर अपनी बात रख सकेंगे। उन्होंने कहा कि लंबी सुस्ती की वजह से डीलर समुदाय बुरी तरह प्रभावित हुआ है। 'फाडा डीलरों का मुनाफा बढ़ाने के लिए कदम उठाएगी जिससे वाहनों के खुदरा कारोबार को आर्थिक दृष्टि से व्यावहारिक बनाया जा सके। फाडा देशभर के 15,000 वाहन डीलरों का प्रतिनिधित्व करती है। गुलाटी ने कहा कि एसोसिएशन का उद्देश्य डीलरों का मार्जिन बढ़ाना और अन्य खुदरा संगठनों के साथ सहयोग के जरिये ऐसा कानून बनाने के लिए काम करना है जिससे रिटेलरों और डीलरों का संरक्षण हो सके। गुलाटी ने कहा, ''हमारा विचार है कि वाहन उद्योग का रुख एक होना चाहिए। व्यावहारिक दृष्टि से देखा जाए, तो हमारी आवाज को सुना नहीं जाता। पिछले दो तीन साल के दौरान वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम, कलपुर्जा विनिर्माताओं के संगठन एक्मा तथा फाडा ने स्वतंत्र रूप से सरकार के समक्ष वाहन उद्योग के लिए आवाज उठाई है लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि हम इस बात का प्रयास कर रहे हैं कि फाडा अगुवाई करते हुए संगठनों को एकसाथ लाए। हम मिलकर सरकार के पास जाएं, जिससे वास्तव में हमारी सुनवाई हो सके।

ऑयल टैंकर में लगी आग से बढ़ रहा था तेल रिसाव का खतरा, एनआईसी सह्याद्री ने बचाया

चेन्नई। कुवैत से कच्चा तेल लेकर भारत आ रहे तेल टैंकर में श्रीलंका के तट के पास आग लग गई जिसे अब तट से दूर सुरक्षित पानी में ले जाया गया है। रक्षा अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि अग्निशमन दल के सदस्य आग बुझाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, तेल का अवतक रिसाव नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि तेल के टैंकर में दो धमाकों के साथ उठी लपटें और दो मीटर की दरार पर नियंत्रण प्राप्त कर लिया गया है। अधिकारियों ने बताया, '' भारतीय तटरक्षक बल और श्रीलंकाई नौसना के जहाज एवं एएलपी विंगर सहित विमान की मदद से एमटी न्यू डायमंड पोत को श्रीलंका के तट से 35 समुद्री मील दूर सुरक्षित पानी में सफलतापूर्वक ले जाया गया है। रक्षा विज्ञप्ति के मुताबिक अग्निशमन दल लगातार आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहा है, आग में कमी आई है और अबतक तेल रिसाव की खबर नहीं है। उल्लेखनीय है कि कुवैत से तेल लेकर भारत आ रहे टैंकर में श्रीलंका के पूर्वी तट पर बृहस्पतिवार को आग लगी थी। इससे 24 सदस्यीय चालक दल में से एक सदस्य लापता है और अन्य घायल है जबकि चार सितंबर को पोत में दरार देखी गई। पनामा में पंजीकृत टैंकर न्यू डायमंड में 2,70,000 टन कच्चा तेल लदा है और श्रीलंका के पूर्वी जिले अमपारा के संगामनकांडा तट से दूर पोत के इंजन कक्ष से आग लगने की शुरुआत हुई थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना वायरस परीक्षण के कारण यूएफसी में होगे सिर्फ 7 मुकाबले

लास वेगास । अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप (यूएफसी) में कोरोना वायरस पॉजिटिव मामलों के कारण कई मुकाबले रद्द होने के बाद सिर्फ सात मुकाबले खेले गए। अंतिम समय में दो मुकाबले रद्द किए जाने के बाद शनिवार को सिर्फ सात मुकाबले हुए जो 2005 से इस मिश्रित मार्शल आर्ट स्पर्धा में सबसे कम मुकाबले हैं। शनिवार को यूएफसी एपेक्स जिम में मार्कोस रोजेरिया डि लिमा और एलेक्जेंडर रोमानोव के हैवीवेट मुकाबले को निर्धारित समय से 90 मिनट पहले रद्द कर दिया गया। इससे पहले यूएफसी ने थिएगो मोइसेस और जेलिन टर्नर के बीच होने वाले मैच को भी रद्द किया। यूएफसी ने बयान में कहा कि एहतियात के तौर पर उसने केविन नेटिविदाद को ब्रायन केलेहर के खिलाफ फेदरवेट मुकाबले से हटा दिया। केलेहर इसकी जगह रे रोड्रिग्ज से भिड़े। ब्राजील के डि लिमा और मोइसेस अमेरिकी टाप टीम में साथी हैं। ब्राजील की मीडिया के अनुसार ये दोनों फाइटर पॉजिटिव पाए गए हैं।

बोपन्ना मेन्स डबल्स के क्वार्टरफाइनल में, 5 साल से भारतीय ने खिताब नहीं जीता; टॉप सीड क्रिस्टिना और बाबोस की जोड़ी को क्वारैंटाइन नोटिस

स्पोर्ट्स डेस्क।

कोरोनावायरस के बीच न्यूयॉर्क में खेले जा रहे टेनिस ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन से रविवार को भारत के लिए एक अच्छी खबर आई है। स्टार इंडियन प्लेयर रोहन बोपन्ना और उनके कनाडाई पार्टनर डेनिस शापोवालोव मेन्स डबल्स के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने जर्मन जोड़ीदार केविन क्रावित्ज और एंड्रीस मीस को 4-6, 6-4, 6-3 से हराया। 5 साल से कोई भारतीय खिलाड़ी खिताब नहीं जीत सका है, लेकिन इस बार रोहन से उम्मीद है। इसी बीच मैच से ठीक पहले फ्रांस की क्रिस्टीना म्लादेनोविच और उनकी पार्टनर हंगरी की टिमिया बाबोस को क्वारैंटाइन होने के लिए स्थानीय स्वास्थ्य विभाग का नोटिस मिला है। इसके मुताबिक, यह दोनों महिला खिलाड़ी फ्रांस के कोरोना संक्रमित खिलाड़ी बेनुआ पेर से मिली थीं। बेनुआ टूर्नामेंट से हट चुके हैं। रोहन और डेनिस का अगला मुकाबला नीदरलैंड के जीन-जूलियन रोजर और उनके रोमानिया के पार्टनर होरिया टेकू से होगा। इससे पहले भारतीय स्टार ने पहले राउंड में अमेरिकी जोड़ीदार नोह रुबीन और एर्नेस्तो एस्कोबेडो को 6-2, 6-4 से हराया था। यूएस ओपन बायो-सिक्योर माहौल में 31 अगस्त से 13 सितंबर तक चलेगा। यूएस ओपन में 5 साल से कोई इंडियन चैम्पियन नहीं बन सका है। भारत के लिए पिछली बार 2015 में लिएंडर पेस ने मिक्स्ड डबल्स में खिताब जीता था। भारत के लिए पहली बार महेश भूपति ने 1999 में मिक्स्ड डबल्स में जापान की आई सुगियामा के साथ यूएस ओपन खिताब जीता था। इसके बाद लिएंडर पेस 2006 में मेन्स डबल्स स्पर्धा में चेक गणराज्य के मार्टिन डैम के साथ खेलते हुए चैम्पियन बने थे। भारत के लिए तीसरी चैम्पियन सानिया मिर्जा थीं। उन्होंने 2014 में मिक्स्ड डबल्स स्पर्धा में ब्राजील के ब्रूनो सोआरेस के साथ फाइनल जीता था। 140 साल के इतिहास में अब तक तीन भारतीय खिलाड़ियों महेश भूपति (3), लिएंडर पेस (5) और सानिया मिर्जा (2) ने कुल 10 खिताब जीते। मेन्स सिंगल्स में वर्ल्ड नंबर-3 ऑस्ट्रिया के डोमिनिक थिएम ने प्री-क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने अपने तीसरे दौर के मुकाबले में क्रोएशिया के मारिन सिलिस को कड़े संघर्ष के बाद 6-2, 6-2, 3-6, 6-3 से हराया। इससे पहले थिएम ने सेकंड राउंड में भारत के सुमित नागल को 6-3, 6-3, 6-2 से शिकस्त दी थी। थिएम का अगला मैच कनाडा के फेलिक्स ओगेर अलाइसिमे से होगा। थिएम का अगला मैच कनाडा के फेलिक्स ओगेर अलाइसिमे से होगा। 6 बार की यूएस ओपन चैम्पियन सेरेना विलियम्स यूएस ओपन के प्री-क्वार्टरफाइनल में पहुंच गई। उन्होंने टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 104वीं जीत दर्ज की। उन्होंने तीसरे दौर में हमवतन स्लोआन स्टीफंस को 2-6, 6-2, 6-2 से हराया। सेरेना मेंस और वुमेंस दोनों कैटेगरी में सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली खिलाड़ी हैं। उन्होंने पहला राउंड जीतते ही अमेरिका की क्रिस एवर्ट का रिकॉर्ड तोड़ा था। अमेरिका की वुमन्स वर्ल्ड नंबर-4 सोफिया ने आसान जीत के साथ प्री-क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने ट्यूनिसिया की ओंस जेबुअर को 7-6, 6-3 से शिकस्त दी।

सोफिया ने इसी साल ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीता था। यह उनका पहला ग्रैंड स्लैम खिताब था।

दिनेश कार्तिक ने इंटरनेशनल क्रिकेट में पूरे किए 16 साल, ट्विटर पर लिखा खास मैसेज

स्पोर्ट्स डेस्क।

टीम इंडिया के क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने इंटरनेशल क्रिकेट में अपने 16 साल पूरे कर लिए है। जहां उन्होंने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ कुछ खास बातें साझी की है। बता दें, उन्होंने 5 सितंबर 2004 को भारत के लिए लॉर्ड्स के मैदान पर डेब्यू किया था। रिया के वकील कह रह हैं कि अगर प्यार गुनाह है तो रिया सजा भुगतने को तैयार हैं। कोई बताओ भाई इस वकील को कि मामला नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो का है, एंटी रोमियो स्क्वाड का नहीं। दरअसल, दिनेश ने अपने ट्विटर अकाउंट पर ट्वीट करते हुए लिखा- मुझे और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को बधाई, यह हमारी 16 साल की सालगिरह है। हम बहुत से उतार-चढ़ाव से गुजरे हैं, लेकिन यात्रा हमेशा शानदार रही है। मैं यह देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता कि मेरे लिए यह क्या है, जो आने वाले वर्षों के लिए लाल दिल है।

बता दें, उन्होंने 5 सितंबर 2004 को भारत के लिए लॉर्ड्स के मैदान पर वनडे में डेब्यू किया था। आपको बता दें कि कार्तिक के क्रिकेट करियर पर एक नजर डाली जाए तो वह भारतीय टीम से बाहर चल रहे। दिनेश कार्तिक ने अपने करियर में अभी तक 152 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं, जिसमें 2000 से ज्यादा रन बनाए हैं। हालांकि उनके करियर के सबसे यादगार पल की बात करें, तो सभी को 2018 निदाहस ट्रॉफी याद आती है।

सीपीएल 2020: चलते मैच में राशिद खान ने आंद्रे रसेल को मारी लात

स्पोर्ट्स डेस्क । वेस्टइंडीज के बल्लेबाज आंद्रे रसेल का सीपीएल में जमायका थलाइवाज की ओर से खेल रहे हैं और शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। बारबाडोस ट्राइडेंड्स के खिलाफ शनिवार को मैच के दौरान विकटों पर गेंद लगने के बाद भी वह आउट नहीं हुए जिसके बाद अफगानिस्तान के क्रिकेटर राशिद खान उन्हें लात मारते हुए नजर आए। सीपीएल ने सोशल मीडिया पर इसका वीडियो भी शेयर किया है जो वायरल हो गया। दरअसल, रसेल बल्लेबाजी पर थे और राशिद द्वारा डाली गई गेंद स्टंप पर जाकर लगी और बेल्स की लाइट जल उठी, हालांकि बेल्स गिरी नहीं जिस कारण वह आउट नहीं दिए गए। यह देखकर राशिद के साथ-साथ रसेल भी हैरान रह गए। नॉट आउट दिए जाने के बाद रसेल राशिद को चिढ़ाने लगे और फिर राशिद ने भी उन्हें मजाक में किक मार दी। हालांकि राशिद की लात रसेल को लगी नहीं।इसके बाद दोनों हंसने लगे। मैच की बात करें जमायका थलाइवाज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए रसेल के 54 और जरमेन के 74 रनों की बदौलत 20 ओवर में 161 रन बनाए। लक्ष्य प्राप्ति के लिए मैदान में उतरी बारबाडोज के जोनाथन कार्टर (45) और जेसन होल्डर (69) ने खराब शुरुआत के बाद अपनी टीम की पारी को संभाला। जेसन होल्डर (69) ने खराब शुरुआत के बाद अपनी टीम की पारी को संभाला। इसके बाद मिचेल सैंटनर ने 21 गेंदों में 35 रन बनाए जीत हासिल की।

हरभजन के थप्पड़ मारने से लेकर किंग खान पर प्रतिबंध तक आईपीएल से जुड़े बड़े विवाद

स्पोर्ट्स डेस्क ।

कोरोना वायरस महामारी के कारण इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का आयोजन यूनाइटेड अरब अमीरात (यूएई) में किया गया है। आईपीएल 2020 का शेड्यूल जारी नहीं किया गया है लेकिन ये 19 सितम्बर से 10 नवम्बर तक खेला जाएगा। आईपीएल में हर बार कोई ना कोई यादगार पल तो कोई बड़ा विवाद जुड़ता है। आइए जानते हैं आइपीएल से जुड़े ऐसे ही कुछ विवादों के बारे में - 1. साल 2008 में खेले गए पहले आईपीएल के दौरान मुंबई इंडियंस और किंग्स इलेवन पंजाब के बीच खेले गए एक मैच के दौरान हरभजन ने श्रीसंत को थप्पड़ मार दिया था। ये वाक्त वीडियो कैमरे में कैद नहीं हुआ लेकिन उस समय इसकी चर्चा काफी हुई थी। हरभजन के ऐसा करने का कारण तो सामने नहीं आया था लेकिन इसके बाद उन्हें 11 मैचों का प्रतिबंध झेलना पड़ा था। 2. बीसीसीआई के साथ करार पूरा ना करने और वित्तीय गड़बड़ियों के चलते तीन टीमों जिसमें से एक 2012 में खिताब जीत चुकी थी, डेकन चार्जर्स, कोच्चि टस्कर्स केरल और पुणे वॉरियर्स को बैन कर दिया। 3. वर्ष 2012 में केकेआर के मालिक और बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख खान पर एक बुजुर्ग ड्यूटीकर्मी से अभद्र व्यव्हार करने के कारण उन्होंने वानखेड़े स्टेडियम में आने पर बैन कर दिया गया था। दरअसल, ड्यूटीकर्मी ने शाहरुख को में मैदान प्रवेश करने से रोक दिया था जिसके बाद विवाद खड़ा हो गया। हालांकि मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने 2015 में यह बैन उन पर हटा लिया था। 4. आईपीएल 2013 इस टूर्नामेंट के लिए एक बड़ी बदनामी साथ आया था और लीग में स्पॉट फिक्सिंग का खुलासा हुआ। जाना पड़ा और राजस्थान के मालिक राज कुंद्रा पर प्रतिबंध लग गया और उन्हें टीम बेचनी पड़ी। इस मामले में श्रीसंत, अजित चंदो और अंकित चव्हाण को जेल जाना पड़ा और राजस्थान के मालिक राज कुंद्रा पर प्रतिबंध लग गया और उन्हें टीम बेचनी पड़ी। धोनी की टीम चेन्नई सुपर किंग्स पर भी बैना लगा था। 5. आईपीएल का सुझाव देने वाले ललित मोदी पर बैन लगा दिया गया था। आईपीएल को एक बड़े ब्रांड के रूप में विश्व स्तर पर सफल बनाने वाले ललित मोदी का तत्कालीन मंत्री शशि थरूर से विवाद के बाद चीजें ऐसे पलटी कि उन्हें वित्तीय अनियमितताओं के आरोप में बीसीसीआई ने आजीवन बैन कर दिया था।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी20 मैच में इंग्लैंड पर लगा भारी जुर्माना

साउथम्पटन । इंग्लैंड के खिलाड़ियों पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुक्रवार को खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना किया गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के बयान के अनुसार इयोन मोर्गन की अगुवाई वाली टीम ने निर्धारित समय में एक ओवर कम किया था जिसके बाद मैच रेफरी क्रिस ब्रॉड ने यह जुर्माना लगाया। आईसीसी की खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए आचार संहिता के अनुसार निर्धारित समय में एक ओवर कम करने पर टीम के खिलाड़ियों पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना किया जाएगा। मोर्गन ने इसे स्वीकार कर लिया है और इस मामले में औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी।

तीसरी वरीयता प्राप्त रूस के डेनिल मेदवेदेव प्री क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

न्यूयार्क। तीसरी वरीयता प्राप्त रूस के डेनिल मेदवेदेव ने शनिवार को तीसरे दौर का मुकाबला आसानी से लगातार सेटों में जीतकर वर्ष के आखिरी ग्रैंड स्लेम यूएस ओपन के प्री क्वार्टरफाइनल में स्थान बना लिया। विश्व रैंकिंग में पांचवें नंबर के खिलाड़ी मेदवेदेव ने अमेरिका के जेजे वोल्फ को एक घंटे 48 मिनट में 6-3, 6-3, 6-2 से हराकर अंतिम-16 में प्रवेश कर लिया। मेदवेदेव ने मैच में सात बार विपक्षी खिलाड़ी की सर्विस तोड़ी और 33 विनर्स लगाए। वोल्फ को मैच में 41 बेजां भूलें करना भारी पड़ गया। महिला वर्ग में 15वीं सीड यूनान की मारिया सकारी ने अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा को मात्र 55 मिनट में 6-3, 6-1 से हराकर प्री क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली।

हैमिल्टन ने इटालियन ग्रां प्री में पोल पोजिशन ली, फेरारी का खराब प्रदर्शन जारी

मोंजा। फार्मूला वन चैम्पियन लुईस हैमिल्टन ने इटालियन ग्रां प्री में पोल पोजिशन हासिल की जो उनकी रिकार्ड 94वीं पोल पोजिशन है जबकि मर्सिडीज के ही वालटेरी बोटास उनसे 0.069 सेकंड पीछे रहे। फेरारी के दोनों ड्राइवर शीर्ष दस में जगह नहीं बना सके और 1984 के बाद टीम का घरेलू सर्किट पर यह सबसे खराब प्रदर्शन है। हैमिल्टन चैम्पियनशिप तालिका में रेडबुल के मैक्स वेरस्टाप्पेन से 47 अंक आगे हैं जबकि बोटास से वह 50 अंक की बढत बनाये हुए हैं। मैकलारेन के कार्लोस सेंज तीसरे जबकि सर्जियो पेरेज चौथे और वेरस्टाप्पेन पांचवें स्थान पर रहे। इससे पहले बोटास ने तीसरे अभ्यास सत्र में शनिवार को सबसे तेज समय निकाला। बोटास ने मैकलारेन के दोनों ड्राइवरों को पछाड़ा। उन्होंने कार्लोस सैंजो से 0.229 जबकि लैंडो नौरिस को 0.323 सेकेंड कम समय लिया। चैम्पियनशिप में शीर्ष पर चल रहे हैमिल्टन पांचवें स्थान पर रहें। फेरारी ने अपने घरेलू ट्रैक पर भी अच्छा प्रदर्शन नहीं किया।

हॉकी की नई पौध को फुटपाथ पर खेल के गुर सिखाने को मजबूर मीररंजन नेगी

इंदौर ।

शाहरुख खान की प्रमुख भूमिका वाली फिल्म चक दे इंडिया (2007) से नयी ख्याति पाने वाले देश के पूर्व गोलकीपर मीररंजन नेगी अपने गृहनगर इंदौर में हॉकी की नयी पौध को फुटपाथ पर खेल के गुर सिखाने को मजबूर हैं। इसकी वजह यह है कि मध्य भारत में हॉकी की नर्सरी कहे जाने वाले जिस 80 साल पुराने प्रकाश हॉकी क्लब में नेगी ने खेल का ककहरा सीखा, उसके मैदान की जगह पर स्थानीय निकाय ने कचरा निपटान संयंत्र बना दिया है। इसके अलावा, शहर लम्बे समय से एक अदद एस्ट्रो टर्फ मैदान को तरस रहा है। नेगी (62) ने रविवार को बताया, हम रेसिडेंसी क्षेत्र में जिला जेल की दीवार से लगे फुटपाथ और इसके पास की खाली सड़क पर हॉकी के करीब 125 नये खिलाड़ियों को प्रशिक्षित कर रहे हैं। इनमें से ज्यादातर बच्चे गरीब परिवारों के हैं। उन्होंने बताया कि हॉकी के ये उभरते खिलाड़ी रेसिडेंसी क्षेत्र में वर्ष 1940 में स्थापित प्रकाश हॉकी क्लब से जुड़े हैं। इस क्लब का मैदान अधिग्रहित कर इंदौर नगर निगम (आईएमसी) ने कचरा निपटान संयंत्र बना दिया है और क्लब को इसके बदले नयी जगह अब तक नहीं मिल सकी है। हॉकी को लेकर सरकारी उपेक्षा पर नाराज नेगी ने कहा, सारी तवज्जो बस क्रिकेट को दी जा रही है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि इंदौर जैसे बड़े शहर में हॉकी का एक भी एस्ट्रो टर्फ मैदान नहीं है।

पूर्व गोलकीपर ने सुझाया कि प्रदेश सरकार को शहर के खंडवा रोड पर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के परिसर में हॉकी का एस्ट्रो टर्फ मैदान बनाने के लिये जगह देनी चाहिये। नेगी ने कहा, हॉकीप्रेमी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से हमारा निवेदन है कि वह इंदौर में जल्द से जल्द एस्ट्रो टर्फ मैदान बनवायें। शहर में हॉकी को दोबारा जिंदा करने के लिये यह मैदान बेहद जरूरी है।

पहलवान दीपक पूनिया को अस्पताल से छुट्टी, घर में आइसोलेशन रहने की सलाह

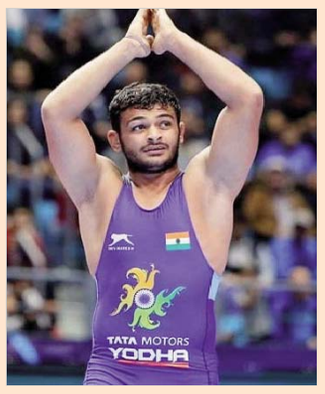

नई दिल्ली। राष्ट्रीय शिविर के लिए पहुंचने पर कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए विश्व चैम्पियनशिप के रजत पदक विजेता पहलवान दीपक पूनिया को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है और घर में पृथकवास में रहने की सलाह दी गई है। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके पूनिया (86 किग्रा) के अलावा नवीन (65 किग्रा) और कृष्ण (125 किग्रा) भी कोरोना वायरस पॉजिटिव पाए गए थे। ये तीनों सोनीपत के भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के केंद्र में राष्ट्रीय शिविर का हिस्सा थे जिसके पहले पहलवानों को पृथकवास में रखा गया था। साइ ने ट्वीट किया, 'राष्ट्रीय शिविर के लिए सोनीपत पहुंचाने पर साइ के परीक्षण में पहलवान दीपक पूनिया पॉजिटिव पाए गए थे और अस्पताल में थे। अब डॉक्टरों ने उन्हें घर में पृथकवास की सलाह दी है क्योंकि उनकी स्थिति स्थिर है और उनमें कोई लक्षण नजर नहीं आ रहे। जिला कोविड नोडल अधिकारी ने उनके घर में रहने को स्वीकृति दी है। विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाले पूनिया तोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं। वायरस के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद इस पहलवान को आगे के निरीक्षण के लिए एहतियात के तौर पर अस्पताल में भर्ती किया गया था। नियमों के अनुसार शिविर के लिए पहुंचने पर सभी कोचों और सहयोगी स्टाफ के साथ पहलवानों का अनिवार्य आरटी-पीसीआर परीक्षण किया गया था जिससे कि कोविड-19 संक्रमण का पता चल सके। सभी पहलवान शिविर के लिए एक सितंबर को एकत्रित हुए थे। इससे पहले एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन विनेश फोगाट कोरोना वायरस पॉजिटिव पाई गई थीं चैंपियन विनेश फोगाट कोरोना वायरस पॉजिटिव पाई गई थीं चैंपियन विनेश फोगाट कोरोना वायरस पॉजिटिव पाई गई थीं जिसके कारण वह खेल रत्न पुरस्कार भी नहीं ले पाई थी।

कोरोना वायरस पृथकवास के कारण अमेरिकी ओपन से बाहर हुई क्रिस्टीना

न्यूयॉर्क । महिला युगल में शीर्ष वरीय प्राप्त जोड़ी को अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया है क्योंकि इस जोड़ी की एक खिलाड़ी फ्रांस की क्रिस्टीना म्लादेनोविच को जन स्वास्थ्य अधिकारियों ने पृथकवास नोटिस जारी किया है। क्रिस्टीना उन सात खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें लेकर टूर्नामेंट के दौरान अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही थी क्योंकि बेनोइट पियरे के संपर्क में आने के बाद उन्हें कोविड-19 संक्रमण का खतरा था। पियरे टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली एकमात्र खिलाड़ी हैं जो पॉजिटिव पाई गई हैं। अमेरिकी टेनिस संघ (यूएसटीए) ने शनिवार को घोषणा की कि वे क्रिस्टीना और उनकी जोड़ीदार हंगरी की तिमिया बाबोस को टूर्नामेंट से हटा रहे हैं। यूएसटीए ने कहा कि वे सरकारी दिशानिर्देशों का पालन कर रहे हैं। क्रिस्टीना को शनिवार तक प्रतिस्पर्धा पेश करने की स्वीकृति दी गई थी। वह एकल के दूसरे दौर में 6-1, 5-1 की बढ़त बनाने के बावजूद हार गईं जबकि युगल के दूसरे दौर में पहुंची। किर्स्टीना और तिमिया को दूसरे दौर में कनाडा की गैब्रिएल दाब्रोवस्की और अमेरिका की एलिसन रिस्के की जोड़ी के खिलाफ खेलना था जिन्हें वाकओवर मिला। किर्स्टीना और तिमिया को दूसरे दौर में कनाडा की गैब्रिएल दाब्रोवस्की और अमेरिका की एलिसन रिस्के की जोड़ी के खिलाफ खेलना था जिन्हें वाकओवर मिला।

विराट पर बोले भारतीय कोच बासु शंकर- ब्रेक ने कोहली को और बेहतर एथलीट बना दिया

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय टीम में फिटनेस के स्तर में बदलाव के लिए जिम्मेदार बासु शंकर को लगता है कि भारतीय और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर टीम के कप्तान विराट कोहली लंबे ब्रेक के बाद और बेहतर एथलीट बन गए हैं क्योंकि इस दौरान उन्होंने शारीरिक फिटनेस के उन पहलुओं पर ध्यान लगाया जिन पर काम करने की जरूरत थी। कोरोना वायरस के कारण लगे लॉकडाउन के कारण कोहली पांच महीने तक मुंबई में फंस गये और नेट पर उनका अभ्यास अच्छी तरह से यहां संयुक्त अरब अमीरात पहुंचकर ही हो पाया जहां 19 सितंबर से इंडियन प्रीमियर लीग का आयोजन किया जाएगा। लेकिन उन्होंने सुनिश्चित किया कि ब्रेक के दौरान उनके फिटनेस के स्तर पर कोई असर नहीं पड़े और बल्कि जहां तक कौशल की बात है तो इससे उन्हें वापसी में मदद ही मिली हालांकि वह नेट पर अभ्यास शुरू करने के दौरान थोड़े डरे हुए थे। पूर्व भारतीय ट्रेनर बासु अब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के 'स्ट्रेंथ एवं कंडिशनिंग कोच हैं, उन्होंने कहा, 'वह (कोहली) काफी अच्छी फिटनेस के साथ आया है। उसका वजन इस समय बिलकुल सही है और उसके 'मूवमेंट पैटर्न भी लय में हैं जो पहले से बेहतर हैं। भारतीय टीम के साथ 2015 से 2019 तक काम करने वाले बासु ने कहा, 'उसने इस ब्रेक का इस्तेमाल शारीरिक रूप से उन सभी चीजों पर काम करने के लिए किया जिन पर ध्यान लगाने की जरूरत थी। बासु आरसीबी और भारतीय टीम के साथ रहने के दौरान कोहली के साथ फिटनेस पर काफी काम करते थे। बासु ने कहा कि कोहली उन चीजों पर भी काम करने में सफल रहे जिन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों को व्यस्त कार्यक्रम के कारण करने में मुश्किल होती है।

उन्होंने कहा, 'उसके पास समय था कि वह अपनी भोजन की योजनाओं पर ध्यान दे सके और घर पर दौड़ने का अभ्यास भी करता रहे। लॉकडाउन के कारण उसके पास कोई विकल्प नहीं था और उसने ट्रेडमिल पर अपनी सहनशक्ति पर काम किया जो व्यस्त कार्यक्रम के कारण संभव नहीं हो पाता।

यूनियन बर्लिन ने 4,500 फुटबॉल प्रशंसकों की मेजबानी की

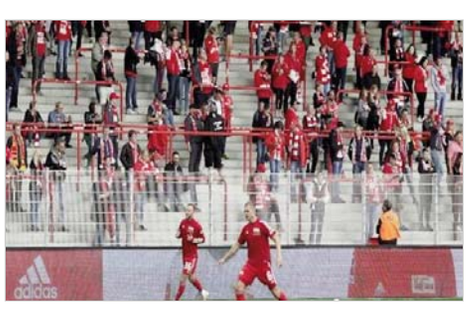

बर्लिन। यूनियन बर्लिन की टीम ने नुरेमबर्ग के खिलाफ जर्मनी में किसी फुटबॉल मुकाबले के दौरान कोरोना वायरस महामारी के बीच सर्वाधिक 4500 दर्शकों की मेजबानी की। यूनियन बर्लिन ने इस मुकाबले में नुरेमबर्ग को 2-1 से हराया। कोरोना वायरस महामारी के प्रकोप के कारण शीर्ष लीग बुंदेसलीग को मार्च में निलंबित किया गया था। लीग जब दोबारा शुरू हुई तो दर्शकों को स्टेडियम में आने की अनुमति नहीं थी। यूनियन के प्रशंसकों को हालांकि शनिवार को दूसरी डिविजन की टीम नुरेमबर्ग के खिलाफ सत्र पूर्व मैत्री मैच स्टेडियम में देखने का मौका मिला। यह मैच यूनियन के स्टेडियम की 100वीं वर्षगांठ का भी गवाह बना। एक प्रशंसक कार्नेलिया पैकहॉसर ने कहा, 'यह शानदार था, मुझे इसकी कमी खल रही थी। उन्होंने कहा, ''यह शानदार है कि प्रशंसकों को स्टेडियम में आने की स्वीकृति दी गई, फिर भले ही साफ-सफाई के कड़े नियम लागू हों। मेरा परिवार पूरे स्टेडियम में बंटा हुआ था। एक सेक्टर एक में, दूसरा सेक्टर दो में और तीसरा सेक्टर तीन में था लेकिन हम वहां मौजूद थे और वहां मौजूद होना ही सब कुछ है। लेकिन हम वहां मौजूद थे और वहां मौजूद होना ही सब कुछ है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

परिवार के मोह से ऊपर उठकर पार्टी के लिए करो काम, कांग्रेस नेताओं ने सोनिया गांधी को दी नसीहत

नेशनल डेस्क।

कांग्रेस पार्टी में आया सियासी तूफान थमने की जगह बढ़ता ही जा रहा है। नेतृत्व के मुद्दे पर पार्टी 2 खेमों में बंटी नजर आ रही है, जो आगे जाकर खतरनाक साबित हो सकता है। सोनिया गांधी को पत्र लिखने वाले नेताओं ने एक बार फिर अपनी आवाज उठाते हुए पार्टी की स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। सोनिया गांधी को लिखे खुले पत्र में कहा गया कि कांग्रेस का कार्यकर्ता कभी इतना हताश नहीं रहा, जितना वह आज अपने को महसूस कर रहा है। राहुल गांधी को स्पष्ट कर देना चाहिए कि वह खुद को अध्यक्ष पद का उम्मीदवार घोषित करेंगे या नहीं। पत्र में सोनिया गांधी के लिए संबोधित करते हुए लिखा गया कि या तो आपने सब कुछ जानते हुए आंखें मूंद ली है या फिर घटनाएं आपके संज्ञान में नहीं लाई जा रही हैं। सोनिया गांधी से कहा गया क वह पार्टी को महज इतिहास का हिस्सा बनकर रह जाने से बचा लें। साथ ही उनसे परिवार के मोह से ऊपर उठकर काम करने की अपील की गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने पत्र में यह भी दावा किया कि पार्टी के पदों पर उन लोगों का कब्जा है जो वेतन के आधार पर काम कर रहे हैं और पार्टी के प्राथमिक सदस्य भी नहीं हैं। ये नेता पार्टी की विचारधारा से परिचित नहीं हैं। दरअसल 14 सितंबर से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र से पहले कांग्रेस के सभी नेता एक बार फिर वर्चुअल तरीके से इकट्ठा होने वाले हैं। ऐसे में पार्टी वरिष्ठ नेता चाहते हैं कि कांग्रेस के अध्यक्ष को लेकर स्थिति स्पष्ट हो।

संक्षिप्त समाचार

बुलेट पर खराब फसलों का जायजा लेने निकले जीतू पटवारी

इंदौर। मध्य प्रदेश के युवा नेता व पूर्व मंत्री जीतू पटवारी अपने अलग अंदाज के लिए जाने जाते हैं। कभी साइकिल पर मुआइना तो कभी अपने बयानों से चर्चा में रहने वाले युवा नेता एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। जिसकी बड़ी वजह बुलेट की सवारी है और वो भी ऐसे काम के लिए जहां कुछ नेता हेलीकॉप्टर, कार, पैदल निकलते हैं। लेकिन भारी बारिश से खराब फसलों का जायजा लेने के लिए वे बुलेट से खेतों में गए और किसानों की परेशानियां सुनी। इंदौर में भारी बारिश ने किसानों की फसल तबाद कर दी है। किसानों की समस्या सुनने के लिए जीतू पटवारी अपने अंदाज में खुद बुलेट चला कर खेतों में पहुंचे। फसलों की जानकारी लेने आए अधिकारियों को खराब फसल दिखाई। हालांकि जीतू ने मौके पर आए अधिकारियों को किसानों का दर्द भी अपने अंदाज में बताते हुए किसानों को नुकसान कि भरपाई का आश्वाशन भी दिया।

40 घंटे से लापता बीजेपी की जिला महामंत्री का नहीं मिला कोई सुराग, पार्टी में हड़कंप

मुरैना। मध्य प्रदेश के सतना की भाजपा जिला महामंत्री जया चतुर्वेदी पिछले 40 घंटे से लापता है। इसके बाद पार्टी और उनके पारिवारिक मेंबरों में हड़कंप मचा हुआ है। सतना पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर उनकी जारी कर दी है। फिलहाल अब तक जिला महामंत्री चतुर्वेदी का कोई पता नहीं चल पाया है। जानकारी के अनुसार, भाजपा जिला महामंत्री जया चतुर्वेदी कोतवाली क्षेत्र के न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहती है। दो दिन पहले ही उनका अपने बड़े बेटे से किसी मुद्दे पर विवाद हो गया था। जिसके बाद से वह लापता हो गई है। वहीं अब इस मामले में जया चतुर्वेदी के छोटे बेटे वरुण चतुर्वेदी ने बड़े भाई पर केस दर्ज कराया है। वहीं दूसरी तरफ बीजेपी कार्यकर्ताओं ने उनकी तलाश शुरु कर दी है।

65 लाख पर पहुंच सकता है कोरोना संक्रमण का आंकड़ा: चिदंबरम

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने शनिवार को कहा कि देश में 20 सितंबर तक कोरोना वायरस संक्रमितों का आंकड़ा 55 लाख तथा इस माह के अंत तक यह गिनती 65 लाख को छू सकती है। चिदंबरम ने कोरोना की स्थिति को लेकर दो ट्वीट किए हैं। उन्होंने लिखा, '' मैंने भविष्यवाणी की थी कि 30 सितंबर तक संक्रमितों की संख्या 55 लाख तक पहुंच जाएगी, मैं गलत हूं। भारत 20 सितंबर तक उस संख्या तक पहुंच जाएगा। सितंबर के अंत तक यह संख्या 65 लाख को छू सकती है। उन्होंने आगे लिखा , '' विश्व का एकमात्र देश जो लॉकडाउन रणनीति का लाभ नहीं उठा रहा है वह भारत प्रतीत होता है। पीएम मोदी ने वादा किया था कि हम 21 दिनों में कोरोनो वायरस को हरा देंगे, यह बताना चाहिए कि जब अन्य देश सफल हुए हैं तो भारत क्यों असफल रहा। उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के रिकॉर्ड 86,432 नये मामलों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा 40,23,179 हो गया। देश में पिछले तीन दिन से लगातार संक्रमितों की संख्या 83 हजार से ऊपर रही है। बुधवार को संक्रमण के 83,883 और गुरुवार को 83,341 मामले सामने आये।

कुपवाड़ा में एलओसी पर पाकिस्तान की गोलीबारी में 1 जवान शहीद, 2 घायल

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के सीमावर्ती कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा के पास पाकिस्तान की तरफ से की गई गोलीबारी में शनिवार को सेना का एक जवान शहीद हो गया और दो अन्य घायल हो गए। एक रक्षा प्रवक्ता ने इस बारे में जानकारी दी। रक्षा प्रवक्ता कर्नल राजेश कालिया ने बताया, ''पाकिस्तान ने कुपवाड़ा के नौगाम सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास बिना किसी उकसावे के सुबह से मोर्टार और अन्य हथियारों से गोलाबारी कर संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन किया। उन्होंने कहा कि एक सैनिक की मौत हो गई जबकि दो अन्य घायल हो गए। कर्नल कालिया ने बताया कि घायल जवानों को यहां 92 बेस अस्पताल पहुंचाया गया और उनकी हालत स्थिर है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को उसकी हरकतों पर करारा जवाब दिया गया है।

सुशांत केस में एक और गिरफ्तारी, ड्रग्स कनेक्शन में एनसीबी ने दीपेश सावंत को किया अरेस्ट

मुंबई। सुशांत सिंह राजपूत मौत मामले में एक के बाद एक राज निकलकर सामने आ रहे हैं। सुशांत की मौत से जुड़े लोगों से नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) लगातार पूछताछ कर रही है। इस बीच एनसीबी ने ड्रग से जुड़े मामले में एक और गिरफ्तारी की है। एनसीबी ने अब दीपेश सावंत को गिरफ्तार किया है। दीपेश सांवत सुशांत सिंह राजपूत के स्टाफ के सदस्य थे। इससे पहले एनसीबी ने शनिवार को कहा कि अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े मादक पदार्थों के मामले ने एजेंसी को बॉलीवुड में नशीले पदार्थों के नेटवर्क और उसकी पैठ होने के संकेत दिए हैं। एनसीबी के दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र के उप महानिदेशक एम अशोक जैन ने बल्लार्ड इस्टेट क्षेत्र में अपने दफ्तर के बाहर संवाददाताओं से कहा कि एजेंसी इस जांच को 'तार्किक परिणति तक ले जाएगी। एजेंसी ने इस मामले में अभी तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया है जिनमें राजपूत की हत्या मामले में मुख्य आरोपी उनकी प्रेमिका रिया चक्रवर्ती का भाई शौविक चक्रवर्ती और राजपूत का हाउस मैनेजर सैमुअल मिरांडा शामिल हैं। जैन ने कहा कि एनसीबी के कार्यक्षेत्र में 'बड़ी मछली की तलाश करना और अंतरराष्ट्रीय तथा अंतरराज्यीय ड्रग्स लेनदेन का पता लगाना भी शामिल है, वहीं वह अपनी जिम्मेदारी से नहीं बचेगी तथा उसे इस मादक पदार्थों के मामले में कथित सांठगांठ की जानकारी मिल रही है। हिंदी फिल्म उद्योग में मादक पदार्थों को लेकर सांठगांठ के सबूतों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''सामान्य तौर पर यह हमारे कार्यक्षेत्र का हिस्सा नहीं है लेकिन हमें अब जानकारी मिल रही है। इस मामले ने हमें नेटवर्क तथा किस हद तक इसकी बॉलीवुड में पैठ है, इस मामले ने हमें नेटवर्क तथा किस हद तक इसकी बॉलीवुड में पैठ है, उसके संकेत दिए हैं। एनसीबी ने दो दिन पहले इस मामले में एक आरोपी की रिमांड की मांग करते हुए अदालत में बताया था कि वह इस मामले में ''मुंबई में, खासकर बॉलीवुड में मादक पदार्थों की पैठ का पता लगा रही है। जैन ने बताया कि वे रिया से जांच में शामिल होने को कहेंगे।

मोदी सरकार के गब्बर सिंह टैक्स ने देश का किया आर्थिक सर्वनाशः राहुल गांधी

नेशनल डेस्क।

अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर घिरी मोदी सरकार पर पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के हमले तेज होते जा रहे हैं। वह सरकार को सवालों के कटघरे में खड़ा करने के लिए सोशल मीडिया का बखूबी इस्तेमाल कर रहे हैं। राहुल गांधी ने रविवार को वीडियो जारी कर आरोप लगाया कि तष्ठक में ऐतिहासिक गिरावट का एक और बड़ा कारण है- मोदी सरकार का गब्बर सिंह टैक्स वीडियो में कांग्रेस नेता कह रहे हैं कि वर्तमान जीएसटी की संरचना से आम आदमी के हित पूरी तरह गायब हैं। सरकार ने सिर्फ अपने चहेतों का ध्यान रखा, लिहाजा जीएसटी गब्बर सिंह टैक्स बन गई । इससे पहले जारी की गई वीडियो में राहुल गांधी ने नोटबंदी के मसले सरकार को घेरा था, जिसका कैप्शन दिया था मोदी जी का 'कैश-मुक्त' भारत। इसमें कहा गया था कि जो पासा 8 नवंबर 2016 को फेंका गया था, उसका एक भयानक नतीजा 31 अगस्त 2020 को सामने आया। जीडीपी में गिरावट के अलावा नोटबंदी ने देश की असंगठित अर्थव्यवस्था को तोड़ कर रख दिया। बता दें कि राहुल गांधी ने इस सीरीज का पहला हिस्सा 31 अगस्त को जारी किसा था।

इसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि मोदी सरकार जानबूझकर असंगठित क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को बर्बाद करने में लगी हुई है। राहुल ने अपने पहले वीडियो में कहा था कि पिछले 6 साल से बीजेपी की सरकार असंगठित अर्थव्यवस्था पर आक्रमण किया है, इनमें नोटबंदी-गलत जीएसटी -लॉकडाउन से ऐसा हुआ है।

बहन की मौत भी न रोक सकी पूर्व मंत्री का सत्याग्रह, पदयात्रा में ही किया शोकसभा का आयोजन

भिण्ड। कांग्रेस सरकार में मंत्री रहे और वर्तमान लहार विधायक डॉ. गोविंद सिंह ने अंचल में रेत के अवैध उत्खनन को लेकर अपनी पदयात्रा शुरू की हुई है। इसी बीच उन्हें बड़ा सदमा लगा है। उनकी छोटी बहन विमला जादौन का हृदय गति रुकने के कारण निधन हो गया। लेकिन इसके बावजूद भी उनके द्वारा निकाली जाने वाली पदयात्रा रोकी नहीं गई। डॉ सिंह के सुपुत्र डॉ अमित प्रताप सिंह पदयात्रा से सीधा ग्वालियर रवाना हुए। डॉ गोविंद सिंह के साथ चलने वाले साथियों ने यात्रा के बीच में ही शोक सभा का आयोजन किया और इसके बाद पदयात्रा आगे की ओर रवाना हुई। आपको बता दें कि अंचल में रेत के अवैध उत्खनन को लेकर कांग्रेस के पूर्व मंत्री 69 वर्षीय डॉ. गोविंद सिंह ने पैदल पद यात्रा आरंभ की है। पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने गांधी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर पद यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उपचुनाव से पहले इस पद यात्रा को लेकर भाजपा में हड़कंप मचा हुआ है। जबकि डॉ. सिंह का कहना है कि उनकी यह यात्रा जन जागरण के लिए है। यह न तो धार्मिक है और न ही राजनैतिक। मैं तो सिर्फ मातृभूमि का कर्ज चुका रहा हूं। मैं तो सिर्फ मातृभूमि का कर्ज चुका रहा हूं। मैं तो सिर्फ मातृभूमि का कर्ज चुका रहा हूं।

सेना प्रमुख ने बढ़ाया जवानों का हौसला, कहा- पूरे देश की नजरें हम पर टिकीं

नई दिल्ली। लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर जारी तनाव के बीच सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे अपने सैनिकों का हौसला बढ़ाया है। सेना प्रमुख ने कहा कि इस वक्त पूरे देश की नजरें उन पर हैं और सेना को मौजूदा हालातों में जोश और धैर्य दोनों के साथ काम करने की दरकार है। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, सीमा के समीप भारतीय सैनिकों को संबोधित करते हुए नरवणे ने सैनिकों से कहा, देश के लोगों की नजरें हम पर हैं। जोश के साथ साथ आपको धीरज औस संयम से काम लेना है। इस दौरान सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने लद्दाख सेक्टर में विभिन्न अभियानों में सैनिकों के योगदान की प्रशंसा की। बता दें कि भारत और चीन के बीच सीमा पर जारी तनाव के बीच सेनाध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने दो और तीन सितंबर को लेह का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव बरकरार है। स्थिति बहुत ही नाजुक और गंभीर है। वहीं हमारे जवानों का मनोबल काफी ऊंचा है और वो हर तरह की परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। सेनाध्यक्ष ने कहा था, मैंने लेह पहुंचने के बाद विभिन्न स्थानों का दौरा किया। मैंने अधिकारियों, जेसीओ से बात की और तैयारियों का जायजा लिया। जवानों का मनोबल ऊंचा है और वे सभी चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार हैं।

अरुण मिश्रा : एक ऐसे जज जिनके हर फैसले ने बटोरी सुर्खियां, मोदी की सराहना कर मचा दिया था तूफान

नेशनल डेस्क।

हाल के वर्षों में उच्चतम न्यायालय के सबसे प्रभावी न्यायाधीशों की बात करें तो उनमें न्यायतमर्ति अरुण कुमार मिश्रा का नाम प्रमुखता से आता है। वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण पर अदालत की अवमानना के मामले में एक रुपये के जुर्माने का मामला हो या उनके द्वारा दिए गए अन्य फैसले, उनका नाम अकसर मीडिया की सुर्खियों में रहा। तीन सितंबर 1955 को वकीलों के परिवार में जन्मे न्यायमूर्ति अरुण कुमार मिश्रा के पिता हरगोविंद मिश्रा जबलपुर उच्च न्यायालय में न्यायाधीश थे। वह दिसंबर 1977 में न्यायाधीश नियुक्त हुए थे और जुलाई 1982 में पद पर रहते उनका निधन हुआ था। अरुण मिश्रा के भाई विशाल मिश्रा मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में न्यायाधीश हैं। उनकी पुत्री भी दिल्ली उच्च न्यायालय में वकील हैं और उनके परिवार में कई रिश्तेदार नामी वकील हैं। यहां यह जान लेना महत्वपूर्ण होगा कि कानून के जानकारों के परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा ने विज्ञान में स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई की लेकिन उनकी स्वाभाविक रुचि कानून में ही थी, इसलिए उन्होंने बाद में कानून की पढ़ाई की। उन्होंने 1978 से 1999 के बीच मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में वकालत की। इस दौरान वह संवैधानिक, दीवानी, औद्योगिक, सेवा संबंधी और आपराधिक मामलों में प्रैक्टिस किया करते थे। 1998 में वह 43 वर्ष की आयु में बार काउंसिल ऑफ इंडिया के सबसे कम उम्र के अध्यक्ष बने और वकीलों के हक में कई महत्वपूर्ण कार्य किए। उल्लेखनीय है कि लगभग 21 वर्ष की वकालत के दौरान वह मध्य प्रदेश में ग्वालियर के जीवाजी विश्वविद्यालय से जुड़े रहे और वहां के छात्रों को कानून पढ़ाते रहे। पच्चीस अक्टूबर 1999 को वह दिन आया जब उन्हें मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया और इसके साथ ही उन्होंने 'माई लॉर्ड कहना छोड़ दिया ।

सोमवार से चलेगी नोएडा-ग्रेटर एक्वा मेट्रो लाइन, बिना मास्क यात्रा की तो लगेगा तगड़ा जुर्माना

बिजनेस डेस्क।

कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए नोएडा-ग्रेटर नोएडा मेट्रो में काफी सख्ती कर दी गई है। एक्वा लाइन के नाम से जाने वाली नोएडा-ग्रेटर नोएडा मेट्रो सेवा सोमवार से शुरू होने जा रही है। इस रूट पर अगर किसी यात्री ने बिना फेस मास्क के यात्रा की तो उसे 500 रुपये जुर्माना लगाया जाएगा। अगर थूकते हुए पाया गया तो 100 रुपए वसूले जाएंगे। बता दें कि पांच महीने बाद नोएडा-ग्रेटर नोएडा रूट पर मेट्रो की सेवाएं शुरू होने जा रही है। कोरोना महामारी बचाव के लिए सोशल डिस्टेंसिंग के मद्देनजर इस रूट पर मेट्रो सेवा बंद कर दी गई थी।

नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन शनिवार को कहा कि मेट्रो सेवा के शुरू होने पर कोवि-19 के बचाव के उपायों और सोशल डिस्टेंसिंग जैसे नियमों के सख्ती से लागू किया जाएगा। बिना मास्क यात्रा करने वाले यात्रियों को 500 रुपए जुर्माना लगाया जाएगा। बताया कि मेट्रो स्टेशन, ट्रेन या मेट्रो परिसर में कहीं भी यात्री को थूकते हुए पाए जाने पर पहली 100 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। अगर दोबारा फिर ऐसा करते हुए पाया गया तो 500 रुपये वसूले जाएंगे। यात्रियों को मेट्रो ही नहीं स्टेशन या मेट्रो परिसर में बिना मास्क पाए जाने पर 500 रुपये का जुर्माना भरना होगा।

सभी यात्री नियमों का पालन कर कोरोना वायरस को फैलने से रोकने में मदद करें। एनएमआरसी के अधिकारियों ने शनिवार को पूरे एक्वा लाइन रूट का जायजा लिया ताकि ट्रेनें चलने । मेट्रो सिस्टम के जांच दल में एनएमआरसी के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर रवींद्र सक्सेना और ऑपरेशंस, इलेक्ट्रिकल व रोलिंग स्टॉक टीम के सदस्य शामिल थे।

मेरी हिम्मत को परखने की गुस्ताखी न करना राउत की शायरी का संबित पात्रा ने दिया करारा जवाब

नेशनल डेस्क।

अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ शिवसेना पार्टी के नेता संजय राउत बढ़ चढ़कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। इन दिनों अभिनेत्री कंगना रनौत से भी उनकी ठनी हुई है। दोनों एक दूसरे के खिलाफ खुलकर सामने आ गए हैं। अब राउत ने शायरी के जरिए तंज कसने की कोशिश की जिसका भाजपा नेता संबित पात्रा ने पलटवार किया। शिवसेना नेता ने रविवार को ट्वीट कर लिखा कि मेरी हिम्मत को परखने की गुस्ताखी न करना, पहले भी कई तूफानों का रुख मोड़ चुका हूं। इसके साथ उन्होंने जय महाराष्ट्र भी लिखा है। राउत के इस ट्वीट पर पलटवार करते हुए पात्रा ने लिखा कि यही तो दुनिया पूछ रही है... आखिर ऐसा क्या है हवेली में जो नामक तूफान के रुख़ को किसी भी क़ीमत पर मोड़ना चाहते हो। वहीं इससे एक दिन पहले राउत ने कंगना रनौत विवाद में सफाई दी थी कि अभिनेत्री कंगना रनौत से उनकी कोई व्यक्तिगत कंगना रनौत से उनकी कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है। साथ यह भी कहा कि मुंबई या फिर महाराष्ट्र का अपमान सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने कंगना को पीओके की स्थिति देखने के लिए सबसे पहले वहां का दौरा करने के लिए कहा। स्थिति देखने के लिए सबसे पहले वहां का दौरा करने के लिए कहा। कंगना ने हाल ही में एक ट्वीट में सवाल किया था कि मुंबई, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की तरह क्यों लग रहा है? उन्होंने एक सितंबर की एक समाचार रिपोर्ट को भी टैग किया था जिसमें संजय राउत ने कथित तौर पर कहा था कि अगर वह नगर की पुलिस से डरती हैं तो उन्हें वापस मुंबई नहीं आना चाहिए।

कोरोना मामले में दुनिया में दूसरे स्थान पर पहुंचा भारत, एक दिन में 90 हजार से ज्यादा केस

नेशनल डेस्क।

देश में कोरोना संक्रमण के मामलों में रिकार्ड-दर-रिकार्ड तेजी के बीच एक दिन में अब तक सर्वाधिक 90 हजार से अधिक नए मामले सामने आए जिससे संक्रमितों का आंकड़ा 41.13 लाख हो गया हालांकि राहत की बात यह है कि इस दौरान 73 हजार से ज्यादा मरीजों के स्वस्थ होने के कारण सक्रिय मामले 20.96 प्रतिशत पर आ गए। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के रिकॉर्ड 90,632 नए मामलों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा 41,13,811 हो गया इसी अवधि में 73,642 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिससे कोरोना से मुक्ति पाने वालों की संख्या 31,80,865 हो गई है। स्वस्थ होने वालों की तुलना में संक्रमण के नए मामले अधिक होने से सक्रिय मामले 15,925 बढ़कर 8,62,320 हो गए हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान देश में 1,065 संक्रमितों की मौत होने से मृतकों की संख्या 70,626 हो गई।

देश में सक्रिय मामले 20.96 प्रतिशत और रोगमुक्त होने वालों की दर 77.32 प्रतिशत है जबकि मृत्यु दर 1.72 प्रतिशत है। कोविड-19 से सबसे गंभीर रूप से प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या 9687 बढ़कर 2,21,012 हो गई तथा 312 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 26,276 हो गया। इस दौरान 10,801 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 6,36,574 हो गई। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं। आंध्र प्रदेश में इस दौरान मरीजों की संख्या 1187 कम होने से सक्रिय मामले 1,00,880 रह गए। राज्य में अब तक 4347 लोगों की मौत हुई है। वहीं कुल 3,82,104 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या में 516 की वृद्धि हुई है और यहां अब 99,636 सक्रिय मामले हैं। राज्य में मरने वालों का आंकड़ा 6298 पर पहुंच गया है तथा अब तक 2,83,298 लोग स्वस्थ हुए हैं। आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में भी इस दौरान 1368 मरीजों की वृद्धि हुई है जिससे सक्रिय मामले 59,563 हो गए हैं तथा इस महामारी से 3843 लोगों की मौत हुई है जबकि 1,95,959 मरीज ठीक हुए हैं। तमिलनाडु में सक्रिय मामलों की संख्या 51,583 हो गई है तथा 7748 लोगों की मौत हुई है। वहीं राज्य में अब तक 3,94,366 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। तेलंगाना में कोरोना के 32,553 सक्रिय मामले हैं और 886 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 1,07,530 लोग इस महामारी से ठीक हुए है। ओडिशा में सक्रिय मामले 25,909 हो गए हैं और 538 लोगों की मौत हुई है जबकि रोगमुक्त लोगों की संख्या 93,774 हो गई है। पश्चिम बंगाल में कोरोना वायरस के 23,390 सक्रिय मामले हैं तथा 3510 लोगों की मौत हुई है, वहीं अब तक 1,50,801 लोग स्वस्थ हुए हैं। केरल में सक्रिय मामले 21,867 हो गए तथा 337 लोगों की मौत हुई है।

ऑफ द रिकॉर्ड: अब पानी संबंधी उपकरणों की होगी स्टार रेटिंग

नई दिल्ली। जब से मोदी सत्ता में आए हैं तो उन्होंने विभिन्न मामलों में स्टार रेटिंग देनी शुरू की है। इसमें स्वच्छ शहर, बैस्ट गांव, बैस्ट बिजली उपकरण, बैस्ट यह और बैस्ट वह आदि हैं। अब वह उपकरणों की पानी रिलीज होने के आधार पर स्टार रेटिंग करेंगे। जिस प्रकार से उन्होंने बिजली उपकरणों जैसे टी.वी., फ्रिज और एयर कंडीशनर को कम बिजली खपत पर स्टार रेटिंग दी थी, उसी प्रकार पानी का प्रयोग करने के दौरान काम में आने वाले उपकरणों जैसे पानी नल, फव्वारा और फ्लश की क्षमता के आधार पर रेटिंग होगी। इसको लेकर पानी, बिजली मंत्रालय और भारतीय मानक ब्यूरो (बी.आई.एस.) राष्ट्रीय जल मिशन के तहत विभिन्न स्तर पर उपकरणों की पानी की क्षमता निर्धारित करेगा। बी.आई.एस. जो कि उपभोक्ता मामले मंत्रालय के अधीन काम करता है, ने पानी संबंधी उपकरणों व सैनेटरी उत्पादों की स्टार रेटिंग के लिए एक ड्राफ्ट तैयार किया है। इसमें बिजली उपकरणों की रेटिंग दौरान जिस तरह से बचत पर जोर था, उसी तरह पानी बचाने वाले नल और अन्य उपकरणों को बढ़ावा देने पर जोर होगा। बिजली उपकरणों की तरह 5 स्टार रेटिंग की बजाय इसमें 3 स्टार रेटिंग होगी। इसमें स्टार रेटिंग एक मिनट में उपकरण के जरिए पानी के रिलीज होने और एक अलग रेटिंग उपकरण की ओवरऑल पानी प्रयोग की क्षमता के आधार पर होगी। एक फव्वारे को उसकी 10 लीटर प्रति मिनट पानी की क्षमता पर वन स्टार, 8 लीटर पानी की क्षमता पर टू स्टार और 6.8 लीटर पानी की क्षमता प्रति मिनट की होने पर थ्री स्टार रेटिंग मिलेगी। इसी तरह वॉशबेसिन के नल को प्रति मिनट 8 लीटर पानी की क्षमता पर वन स्टार, 6 लीटर पानी की क्षमता पर टू स्टार और 3 लीटर प्रति मिनट पानी की क्षमता पर थ्री स्टार रेटिंग मिलेगी। वहीं मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि उपकरणों में जिस तरह से पानी व बिजली की बचत के आधार पर रेटिंग की गई है, उसी तरह सैनेटरी उत्पादों की रेटिंग भी होगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ईरान पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, द्विपक्षीय रक्षा संबंधों पर करेंगे चर्चा

तेहरान।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को तेहरान पहुंच गए जहां वह अपने ईरानी समकक्ष से मुलाकात कर द्विपक्षीय रक्षा संबंधों पर चर्चा करेंगे। इससे एक दिन पहले ही उन्होंने फारस की खाड़ी के देशों से अपने मतभेदों को परस्पर सम्मान के आधार पर बातचीत से सुलझाने का अनुरोध किया था। रूस की तीन दिवसीय यात्रा पूरी करने के बाद सिंह मास्को से तेहरान पहुंचे। उन्होंने मास्को में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा एशियाई देशों के अपने समकक्षों के साथ इस दौरान द्विपक्षीय बातचीत भी की। रक्षा मंत्री के कार्यालय ने ट्वीट किया, ''रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज रात तेहरान पहुंच गए। रक्षा मंत्री ने रूस, चीन और मध्य एशियाई देशों के अपने समकक्षों के साथ इस दौरान द्विपक्षीय बातचीत भी की। रक्षा मंत्री के कार्यालय ने ट्वीट किया, ''रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज रात तेहरान पहुंच गए। वह इस यात्रा में ईरान के रक्षा मंत्री (ब्रिगेडियर जनरल आमिर हतामी) से मुलाकात करेंगे। भारत ने शुक्रवार को कहा था कि वह फारस की खाड़ी में स्थिति को लेकर बेहद चिंतित है और क्षेत्र के देशों से परस्पर सम्मान पर आधारित बातचीत के जरिये अपने मतभेदों को सुलझाने का अनुरोध करता है। फारस की खाड़ी में हाल के हफ्तों में ईरान, अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात से संबंधित कई घटनाओं ने क्षेत्र में तनाव को और बढ़ा दिया है। यहां शंघाई सहयोग संगठन की एक बैठक को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा, हम फारस की खाड़ी में स्थिति को लेकर बेहद चिंतित हैं।

अमेरिका की कोरोना वैक्सीन का रिसर्च डेटा चुराने की साजिश रच रहे चीन और रूस,

बीजिंग।

अमेरिकी इंटेलिजेंस ने एक बार फिर कहा है कि रूस और चीन अमेरिका की वैक्सीन रिसर्च और डेवलपमेंट का डेटा चुराने की साजिश में जुटे हैं। अमेरिका में फाइजर समेत कुछ कंपनियां वैक्सीन तैयार कर रही हैं। नॉर्थ कैरोलिना यूनिवर्सिटी के अलावा कई हाईटेक लैब्स में रिसर्च चल रही है। चीन और रूस की खुफिया एजेंसियां रिसर्च का डेटा चुराने की भरसक कोशिश कर रही हैं। ब्रिटेन की इंटेलिजेंस एजेंसी ने फाइबर ऑप्टिक्स केबल्स के एनालिसिस के बाद इसका खुलासा किया था। ईरान भी इसी चोरी में शामिल होने का शक है। मोटे तौर पर देखें तो दुनिया का हर विकसित देश ये जानना चाहता है कि दूसरे देश वैक्सीन पर किस तरह आगे बढ़ रहे हैं। इसके लिए खुफिया एजेंसियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। अमेरिका ने भी अपने वैक्सीन रिसर्च और डेवलपमेंट के डेटा को चोरी होने से बचाने के लिए पुख्ता तैयारी की है। नाटो का इंटेलिजेंस नेटवर्क भी इसमें मदद कर रहा है। अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट के आला अधिकारी जॉन डिमर्स ने पिछले हफ्ते कहा था- जिस डेटा को चुराने की साजिश रची जा रही है, वो आर्थिक और सैन्य लिहाज से बेशकीमती है। हम जानते हैं कि ये काम कौन कर रहा है। ट्रम्प डब्ल्यूएचओ की फंडिंग बंद कर चुके हैं और उसे चीन की कठपुतली बता चुके हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिकी अफसरों को चीन की हरकत की जानकारी मार्च में ही मिल गई थी। उन्हें शक है कि डब्ल्यूएचओ चीन की साजिश में शामिल है। एफबीआई ने चीन की अब तक हर कोशिश को नाकाम किया है। यूएनसी की प्रवक्ता लेस्ली मिंटन ने पिछले दिनों कहा था- खुफिया एजेंसियां हमें खतरे के बारे में अलर्ट भेजती हैं। हम सभी बायोटेक्नोलॉजी लैब्स को इस बारे में बताते हैं। हम जानते हैं कि इस साजिश में वहां की सरकारें भी शामिल हैं। ब्रिटेन की इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस एजेंसी जीसीएचक्यू ने अमेरिका को रूस की साजिश के बारे में भी बताया था।

चीन में भयानक बाढ़ से अरबों डॉलर का नुकसान, भूखमरी के कगार पर ड्रैगन!

बीजिंग।

चीन में बाढ़ से 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है या लापता हैं। इतना ही नहीं इस भयानक प्राकृतिक आपदा से चीन को सीधे तौर पर 25 अरब अमेरिकी डॉलर की क्षति पहुंची है। भले ही बाढ़ की चपेट से बड़े शहर ज्यादातर सुरक्षित ही रहे लेकिन वुहान में कोरोना महामारी के प्रसार के बाद देश में पहले से ही हुई आर्थिक क्षति को बाढ़ ने और बढ़ा दिया है। बाढ़ से 54,000 घर नष्ट हो गए हैं। बाढ़ से 25.7 अरब अमेरिकी डॉलर की क्षति हुई है।

जो कि पिछले पांच वर्षों में हुई औसत क्षति से 15.9 फीसदी ज्यादा है। चीन दुनिया की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था है लेकिन देश के भीतर बाजार में मांग में कमी और बढ़ती कीमतों के बीच वृद्धि दर धीमी हुई है। 1950 से, चीन ने दुनिया के 10 सबसे विनाशकारी बाढ़ों में से तीन को देखा है।ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में बताया कि शहरों में बाढ़ एक चिंताजनक प्रवृत्ति है और बदतर होती जा रही है, बढ़ती आबादी और शहरीकरण की नीतियों को पूरा करने में विफलता का संकेत है। पिछले महीने पर दुनिया के सबसे बड़े पनबिजली बांध, थ्री गोरजेस डैम में बाढ़ का असर देखने को मिला क्योंकि यहां बाढ़ का पानी ओवरफ्लो हो सकता था ।

जिससे चीन में एक बड़ी बर्बादी हो सकती थी। वहीं बाढ़ के कारण चीन में भारी मात्रा में फसल भी बर्बाद हुई है जिससे चीन को आने वाले दिनों में अपने लोगों का पेट भरना मुश्किल हो सकता है। दुनिया की 22 फीसदी आबादी चीन में रहती है और उसके पास विश्व की केवल 7 फीसदी कृषि योग्य भूमि है ।

युएन की बड़ी चेतावनी- इन 4 देशों में पड़ सकता है भयंकर अकाल, लाखों की जिंदगी खतरे में

संयुक्त राष्ट्र।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने चेतावनी देते हुए कहा कि संघर्ष प्रभावित कांगो, यमन, दक्षिणी सूडान और पूर्वोत्तर नाइजीरिया में अकाल पड़ने और खाद्य असुरक्षा पैदा होने का खतरा है और इससे लाखों लोगों की जिंदगी खतरे में हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को भेजे नोट- जिसकी प्रति शुक्रवार को एसोसिटेड प्रेस को प्राप्त हुई-में संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा कि चार देश दुनिया के खाद्य संकट रैंकिंग में सबसे ऊपर है। उन्होंने यह जानकारी खाद्य संकट और हालिया खाद्य सुरक्षा विश्लेषण- 2020 के हवाले से दी और कहा कि इससे निपटने के लिए बहुत कम कोष मुहैया कराया गया है। गुतारेस ने कहा, ''अब कार्रवाई करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, ''वर्षों से सशस्त्र संघर्ष से घिरे डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, यमन, पूर्वोत्तर नाइजीरिया और दक्षिणी सूडान में एक बार फिर खाद्य सुरक्षा पर गंभीर संकट है और वे संभावित अकाल का सामना करने की कगार पर है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा कि सोमालिया, बुर्किना फासो और अफगानिस्तान सहित अन्य संघर्ष ग्रस्त देशों के अहम संकेतों में गिरावट आ रही है। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय सहायता प्रमुख मार्क लोकॉक ने कहा कि महामारी की वजह से अर्थव्यवस्था में गिरावट आई है और इसका सबसे बड़ा असर खाद्य सुरक्षा और कृषि उत्पादन पर पड़ा है और चरमपंथी इसका लाभ उठा सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

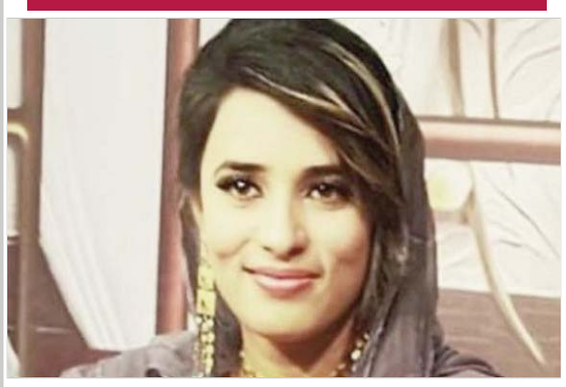

पाकिस्तान में पीटीवी की न्यूज एंकर शाहीना शाहीन की गोली मारकर हत्या, पति फरार

बलूचिस्तान। पाकिस्तान के मशहूर न्यूज चैनल पीटीवी की महिला न्यूज एंकर शाहीना शाहीन बलोच की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई है। शाहीना पीटीवी पर सुबह के समय न्यूज एंकरिंग किया करती थी और बलोची मैगजीन दाजगोहर की संपादक भी थीं। शाहीना की पहचान महिलाओं के अधिकार दिलाने और लैंगिक समानता लाने में जुटी महिला के तौर पर थी। वहीं प्राथमिक जांच में पुलिस ने ऑनर किलिंग की आशंका जताई है। शाहीना का पति भी फरार बताया जा रहा है। इस मामले में पुलिस जांच में जुट गई है। स्थानीय खबरों के मुताबिक वारदात तुरबत के रिहायशी इलाके में हुई और एक अज्ञात व्यक्ति शाहीना को अस्पताल लेकर गया, हालांकि वो भी शव को अस्पताल में छोड़कर फरार हो गया। बताया जा रहा है कि शाहीना को कई बार धमकियां मिली थीं कि वो नौकरी छोड़ दें और घर संभालें हालांकि वो किसी भी धमकी से डरी नहीं लेकिन शाहीना को अब अपनी जान से ही हाथ धोना पड़ा। पाकिस्तान में पिछले काफी समय से पत्रकारों खासकर महिला पत्रकारों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। एक अन्य मामले में पत्रकार साजिद गोंदाल नाम की पाकिस्तानी महिला पत्रकार अपने घर से गायब है।

बर्फ के टुकड़ों से भरे बक्से में ढाई घंटे बिताकर ऑस्ट्रिया के इस व्यक्ति ने तोड़ा अपना ही रिकॉर्ड

मेल्क। ऑस्ट्रिया के एक व्यक्ति ने शनिवार को बर्फ के टुकड़ों से भरे एक बक्से में ढाई घंटे का समय बिताकर अपने ही पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया। जोसेफ कोएबेरी ने कांच के एक बक्से में कंधे तक भरे बर्फ के टुकड़ों के बीच दो घंटे 30 मिनट और 57 सेकेंड का समय बिताया। जोसेफ ने कहा कि जमा देने वाले तापमान की ''गलन बर्दाश्त करने के लिए वह अपना ध्यान सकारात्मक विचारों पर केंद्रित करने का प्रयास कर रहे थे। जोसेफ ने ऑस्ट्रिया के मेल्क शहर में वर्ष 2019 में बनाए अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इस बार वह 30 मिनट अधिक समय तक बर्फ के टुकडों वाले बक्से में रहे।

स्थानीय भाषा की किताबों को हटाने की फिराक में चीन, टोक्यो में विरोध प्रदर्शन

इंटरनेशनल डेस्क। चीन की नई शिक्षा नीति और स्थानीय भाषा की किताबों को हटाने के मामलों को लेकर जापान में रहने वाले मंगोलियाई नागरिकों ने राजधानी टोक्यो में विरोध प्रदर्शन किया। यह विरोध प्रदर्शन राजधानी टोक्यो में स्थित चीनी दूतावास के बाहर किया गया। दूतावास के बाहर हुए इस प्रदर्शन में करीब 20 लोग शामिल थे। इन नागरिकों ने उत्तरी चीन के स्वायत्त क्षेत्र इनर मंगोलिया में मंदारिन भाषा को बढ़ावा दिए जाने पर अपनी नाराजगी जाहिर की है। ऐसे में चीन अब इस क्षेत्र में अपनी प्रमुख भाषा में शिक्षा को जबरन थोप रहा है। इनर मंगोलिया चीन की इस नीति का विरोध कर रहे है। गौरतलब है कि पिछले कुछ दिन पहले हजारों छात्रों ने सड़कों पर उतरकर बीजिंग के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया था। इस क्षेत्र में चीन अपनी नई शिक्षा नीति के जरिये स्थानीय भाषा की किताबों को हटाने की फिराक में है। चीन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के कारण इस क्षेत्र के लोगों ने अपने बच्चों को स्कूल भेजने से मना कर दिया हैं।

ब्रिटेन में 1000 से ज्यादा डॉक्टर हेल्थ सर्विस छोड़ना चाहते हैं, महामारी पर सरकार के रवैये से नाराज

इंटरनेशनल डेस्क। दुनिया में कोरोनावायरस के अब तक 2 करोड़ 70 लाख 60 हजार 255 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें 1 करोड़ 91 लाख 60 हजार 40 मरीज ठीक हो चुके हैं, जबकि 8 लाख 83 हजार 618 लोगों की मौत हो चुकी है। ब्रिटेन में कोरोना महामारी से निपटने में सरकार के ढीले रवैये के चलते 1000 से ज्यादा डॉक्टर नेशनल हेल्थ सर्विस (एनएचएस) छोड़ना चाहते हैं। एक सर्वे में यह बात सामने आई है। डॉक्टर या तो दूसरे देश या निजी अस्पतालों में जाना चाहते हैं। ब्रिटेन के डॉक्टर्स एसोसिएशन की अध्यक्ष डॉ. समांथा बट-रॉडेन ने कहा- इस महामारी में एनएचएस डॉक्टर सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। कई डॉक्टरों का कहना है कि वे तीन साल के अंदर एनएचएस को छोड़ देंगे। इन्होंने कोरोना महामारी के समय अपनी जान दांव पर लगाई है, लेकिन सरकार के रवैये से नाराज हैं। इन्होंने कोरोना महामारी के समय अपनी जान दांव पर लगाई है, लेकिन सरकार के रवैये से नाराज हैं। ऑनलाइन सर्वे में 1758 डॉक्टर शामिल हुए। एनएचएस छोड़न एनएचएस छोड़ने के सवाल पर 10 में से 7 यानी 69 ने हां कहा और 26 ने नहीं।

अफगानिस्तान में सेना की कार्रवाई में 47 तालिबानी आतंकवादी ढेर

काबुल। अफगानिस्तान की सेना ने फरयाब प्रांत में एक अभियान के दौरान 46 तालिबानी आतंकवादियों को मार गिराने तथा 37 अन्य को घायल करने का शनिवार को दावा किया। एक अधिकारी ने बताया कि तालिबानी आतंकवादियों ने फरयाब प्रांत के कैसर जिले में सेना पर हमला किया था लेकिन सेना ने उन्हें पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने बताया कि जिले पर पूरी तरह से सुरक्षा बलों का नियंत्रण बना हुआ है। सेना का अभियान अभी भी जारी है क्योंकि सशस्त्र बलों ने इलाके को पूरी तरह से तालिबानी आतंकवादियों से मुक्त कराने का अभियान चला रखा है। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ के दौरान तालिबान के कई खूंखार आतंकवादी भी घायल हुए हैं। तालिबान समूह ने अभी तक इस घटना को लेकर कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है।

दुनिया के सबसे अकेले हाथी को पाकिस्तान से कंबोडिया किया जा रहा शिफ्ट, 35 साल से था इस्लामाबाद में

इंटरनेशनल डेस्क।

दुनियाभर के पशु अधिकार कार्यकर्त्ताओं का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने वाले इस्लामाबाद के चिड़ियाघर में रहने वाले कावन नाम के हाथी को बेहतर परिस्थिति वाले स्थान पर भेजे जाने को आखिरकार मंजूरी दे दी गई। इस मामले में काम कर रहे पशु कल्याण समूह ने शनिवार को यह जानकारी दी। कावन के समर्थकों ने उसे दुनिया का सबसे अकेला हाथी करार दिया था जोकि इस्लामाबाद के चिड़ियाघर में 35 वर्षों से अधिक समय से रह रहा था। फोर पाज (चार पंजे) संस्था के प्रवक्ता मार्टिन बॉयर ने कहा कि हाथी को आखिरकार यात्रा की चिकित्सीय मंजूरी दे दी गई है, उसे कंबोडिया ले जाए जाने की सबसे अधिक संभावना है, जहां उसे बेहतर साथी और परिस्थितियां मिलेंगी। उन्होंने कहा कि भारी-भरकम हाथी कावन का शुक्रवार को पूर्ण चिकित्सीय परीक्षण किया गया। मई में पाकिस्तान के हाईकोर्ट ने इस्लामाबाद के मार्घाजार चिड़ियाघर को बंद करने का आदेश दिया था। चिड़ियाघर की विकट स्थितियों से कावन को बचाने के लिए अमेरिकी गायिका चेर ने उसके पुनर्वास को लेकर अभियान चलाया और दुनियाभर के पशु कार्यकर्त्ताओं का ध्यान आकर्षित किया। शनिवार को जारी बयान में बॉयर ने कहा कि दुर्भाग्य से, दो शेरों को निकालने में देरी के चलते जुलाई में उनकी जान चली गई। तब स्थानीय पशु संचालकों द्वारा शेरों को वाहन में ले जाने के लिए उनके बाड़े में आग लगाने के कारण वे मारे गए थे। उन्होंने कहा कि चिड़ियाघर के बाकी बचे जानवरों को सुरक्षित निकालने के लिए इस्लामाबाद वन्यजीव प्रबंधन बोर्ड ने फोर पाज को आमंत्रित किया था। कावन अब तक एक छोटे से बाड़े में एकांत जीवन जीने के लिए मजबूर रहा।

कोविड-19 की तबाही: दुनिया भर में 2.70 करोड़ लोग संक्रमित, मरने वालों की संख्या 9 लाख के करीब

नेशनल डेस्क।

विश्व में कोरोना वायरस (कोविड-19) से संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या 2.70 करोड़ से अधिक हो गयी है इसमें से 8 लाख 82 हजार लोगों ने अपनी जान गंवा दी है। इस बीच भारत कोरोना से दूसरे नंबर से सबसे अधिक संक्रमित ब्राज़ील से महज कुछ मामले ही दूर हैं। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार कोरोना से विश्वभर में अब तक 27,069,983 लोग संक्रमित हुए हैं और 883,780 लोगों की मौत हुई है। वैश्विक महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना से संक्रमित होने वालों की संख्या 6,431,160 पर पहुंच गयी है और अब तक 192,820 लोगों की जान जा चुकी है। विश्व में कोरोना से प्रभावित देशों में दूसरे नंबर पर चल रहे ब्राजील में अब तक 4,123,000 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं जबकि 126,230 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं भारत में तेजी से इस महामारी के बढ़ रहे है और भारत कोरोना से दूसरे नंबर से सबसे अधिक संक्रमित ब्राज़ील से महज कुछ मामले ही दूर हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के रिकॉर्ड 90,632 नये मामलों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा 41,13,811 हो गया। इस दौरान 73,642 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिससे संक्रमणमुक्त होने वालों की संख्या 3180865 हो गयी है तथा 1,065 लोगों की मौत से मरने वालों की संख्या 70,626 हो गयी है। रूस में कोरोना से संक्रमित होने वालों की संख्या 10 लाख को पार कर 1,020,310 पहुंच गई हैं तथा 17,759 लोगों ने जान गंवाई है। पेरू में कोरोना महामारी का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है जिसके कारण कोरोना से संक्रमित होने के मामले में वह पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। यहां इस वायरस से अब तक 683,702 लोग संक्रमित हुए हैं और 29,687 लोगों की मौत हो चुकी है। कोविड-19 से संक्रमित मामलों में कोलम्बिया ने दक्षिण अफ्रीका को पीछे छोड़ दिया है और अब छठवें नंबर पर पहुंच गया है। यहां इस वायरस से अब तक 658,456 लोग संक्रमित हुए हैं और मृतकों की संख्या 21,156 है। वहीं दक्षिण अफ्रीका में कोरोना संक्रमितों की संख्या 636,884 पर पहुंच गई है तथा इस वायरस से मरने वालों की संख्या 14,779 हो गयी हैं। मेक्सिको में भी कोरोना संक्रमण से हालात खराब है। यहां संक्रमितों की संख्या 629,409 हो गई तथा 67,326 लोगों की मौत हो चुकी है। स्पेन नए मामलों में वृद्धि के बाद अब नौवें स्थान पर है यहां अब तक करीब 517,133 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 29,418 लोगों की मृत्यु हुई है। कोविड-19 से संक्रमित मामलों में अर्जेंटीना ने चिली को पीछे छोड़ दिया है और अब 10वें नंबर पर पहुंच गया है। यहां इस वायरस से अब तक 471,806 लोग संक्रमित हुए है।

चीन में भयानक बाढ़ से अरबों डॉलर का नुकसान, भूखमरी के कगार पर ड्रैगन!

बीजिंग। चीन में बाढ़ से 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है या लापता हैं। इतना ही नहीं इस भयानक प्राकृतिक आपदा से चीन को सीधे तौर पर 25 अरब अमेरिकी डॉलर की क्षति पहुंची है। भले ही बाढ़ की चपेट से बड़े शहर ज्यादातर सुरक्षित ही रहे लेकिन वुहान में कोरोना महामारी के प्रसार के बाद देश में पहले से ही हुई आर्थिक क्षति को बाढ़ ने और बढ़ा दिया है। बाढ़ से 54,000 घर नष्ट हो गए हैं। बाढ़ से 25.7 अरब अमेरिकी डॉलर की क्षति हुई है, जो कि पिछले पांच वर्षों में हुई औसत क्षति से 15.9 फीसदी ज्यादा है। चीन दुनिया की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था है लेकिन देश के भीतर बाजार में मांग में कमी और बढ़ती कीमतों के बीच वृद्धि दर धीमी हुई है। 1950 से, चीन ने दुनिया के 10 सबसे विनाशकारी बाढ़ों में से तीन को देखा है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में बताया कि शहरों में बाढ़ एक चिंताजनक प्रवृत्ति है और बदतर होती जा रही है, बढ़ती आबादी और शहरीकरण की नीतियों को पूरा करने में विफलता का संकेत है। पिछले महीने पर दुनिया के सबसे बड़े पनबिजली बांध, थ्री गोरजेस डैम में बाढ़ का असर देखने को मिला क्योंकि यहां बाढ़ का पानी ओवरफ्लो हो सकता था जिससे चीन में एक बड़ी बर्बादी हो सकती थी। वहीं बाढ़ के कारण चीन में भारी मात्रा में फसल भी बर्बाद हुई है जिससे चीन को आने वाले दिनों में अपने लोगों का पेट भरना मुश्किल हो सकता है। दुनिया की 22 फीसदी आबादी चीन में रहती है और उसके पास विश्व की केवल 7 फीसदी कृषि योग्य भूमि है जिसका रकबा 33.4 करोड़ एकड़ है। दुनिया की 22 फीसदी आबादी चीन में रहती है और उसके पास विश्व की केवल 7 फीसदी कृषि योग्य भूमि है जिसका रकबा 33.4 करोड़ एकड़ है।

रूस में विपक्षी नेता नेवल्नी के साथ जो हुआ, उसकी निंदा नहीं करूंगा; मेरे पास पुतिन के खिलाफ सबूत नहीं :अमेरिकी राष्ट्रपति

इंटरनेशनल डेस्क।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रुस के विपक्षी नेता एलेक्सी नेवल्नी को कथित तौर पर जहर देकर मारने की घटना की निंदा करने से भी इनकार कर दिया। ट्रम्प ने कहा- मैं पुतिन सरकार की निंदा इसलिए नहीं कर सकता क्योंकि इस घटना को कोई सबूत मेरे पास नहीं है। हाल ही में अमेरिका में कुछ इंटेलिजेंस रिपोर्ट सामने आईं थीं। इनमें कहा गया था कि रूस और चीन अमेरिका में नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में दखलंदाजी की कोशिश कर रहे हैं। रिपोर्ट्स में ये भी कहा गया था कि रुस चाहता है कि ट्रम्प फिर चुनाव जीतें। ट्रम्प ने शनिवार को मीडिया से बातचीत की। इस दौरान रूस में चल रहे राजनीतिक घटनाक्रम और खासकर नेवल्नी पर सवाल भी पूछे गए। इस पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा- नेवल्नी के साथ क्या हुआ, क्या उनको वास्तव में मारने की कोशिश की गई या जहर दिया गया। मैं इसकी निंदा कैसे कर सकता हूं। मेरे पास अपनी बात के पक्ष में कोई सबूत नहीं है और न ही कोई सबूत फिलहाल, मेरे सामने रखे गए हैं। बीबीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका के सहयोगी नाटो और जर्मनी को अच्छी तरह से मालूम है कि नेवल्नी को नोवीचोक नामक नर्व एजेंट दिया गया। यह खतरनाक कैमिकल है और इससे जान जा सकती है। जर्मनी ने साफ तौर पर कहा कि नेवल्नी को क्रेमलिन के आदेश पर यह जहर दिया गया है। रूस ने नेवल्नी को किसी तरह का जहर दिए जाने से इनकार कर दिया। शनिवार को विदेश मंत्रालय ने कहा- अगर नेवल्नी को नोवीचोक नर्व एजेंट दिया भी गया है तो इसका मतलब यह नहीं है कि इसे रूस में ही तैयार किया गया है। नेवल्नी ने पुतिन सरकार के भ्रष्टाचार को उजागर करने में अहम भूमिका निभाई थी। बताया जाता है कि नेवल्नी का बर्लिन के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है और वे इस वक्त कोमा में हैं। खास बात ये है कि नेवल्नी ने रूस और चीन के बीच गठजोड़ पर भी सवाल उठाए थे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नोएडा सेक्टर 39 में पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़ दो गिरफ्तार

नोएडा (एजेसी)। नोएडा में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद कार में लिफ्ट देकर लोगों से लूटपाट करने वाले गिरोह के दो बदमाशों को शनिवार देर रात गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने 25 हजार रुपए नकद, दो तमंचा, कारतूस तथा एक कार बरामद किया है। अपर पुलिस उपायुक्त

जोन प्रथम रणविजय सिंह ने बताया कि थाना सेक्टर 39 पुलिस ने शनिवार की रात को छलेरा गांव के पास चेकिंग कर रही थी, तभी एक कार वहां आयी । कार को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तो कार चालक, कार के साथ वहां से भाग गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने पीछा करके असगरपुर गांव के पास कार को घेर लिया तो उसने जान से मारने की नियत से कार सवार पर गोली चला दी। उन्होंने बताया कि जवाबी कार्रवाई करते हुए भी पुलिस ने गोली चलाई। उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा चलाई गई गोली जावेद तथा पुष्पेंद्र नामक दो बदमाशों के पैर में लगी है और एक बदमाश मौके से फरार है। उन्होंने बताया कि उसकी तलाश की जा रही है। अपर उपायुक्त ने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि इन लोगों ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सैकड़ों लोगों को कार में बैठाकर लूटपाट की है। इन लोगों ने जुलाई माह में थाना सेक्टर 39 क्षेत्र के महामाया फ्लाईओवर के पास से एक व्यक्ति को कार में बैठाकर डेढ़ लाख रुपए की लूट की थी। उन्होंने बताया कि ये बदमाश इससे पूर्व भी कई बार जेल जा चुके हैं।

अपर उपायुक्त ने बताया कि पकड़े गए बदमाशों के अन्य साथियों की पुलिस तलाश कर रही है।

लिफ्ट देने के बहाने दिल्ली की युवती से वृंदावन में गैंगरेप

वृंदावन (एजेसी)। उत्तर प्रदेश के वृंदावन में एक युवती के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। घटना के संबंध में पीड़िता द्वारा तीन नामजद एवं दो–तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

पुलिस ने दो युवकों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। दिल्ली निवासी युवती द्वारा कोतवाली में दर्ज कराई गई रिपोर्ट के अनुसार शुक्रवार रात करीब 10 बजे वह हाईवे स्थित भरतपुर मोड़ पर खड़ी हुई थी।

तभी कार सवार तीन युवक आए और उसे लिफ्ट देने के नाम पर उसे वृंदावन ले आए। आरोप है कि कार सवार तीनों युवक उसे एक गेस्ट हाउस में ले गए।

जहां कुछ देर बाद ही उनके दो–तीन साथी और वहां आ गए। इन लोगों ने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया।

बताया कि वह लोग सुबह उसे गेस्ट हाउस पर ही छोड़ कर भाग गए। आरोपियों के जाने के बाद जब उसने शोर मचाया तो गेस्ट हाउस का स्टाफ एवं आ. सपास के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए।

घटना की सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। इस संबंध में पीड़िता ने ओमप्रकाश, रामेश्वर एवं मोनू समेत दो तीन अज्ञात युवकों के विरुद्ध कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है।

पुलिस द्वारा गेस्ट हाउस एवं आसपास के सीसीटीवी फुटेजों को खंगाला जा रहा है। सीओ सीओ सदर रमेश कुमार तिवारी ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर तीन नामजद समेत दो तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस जुटी है।

राजस्थान सरकार गैंगरेप पीड़ित परिवार को न्याय दे–मायावती

लखनऊ (एजेसी)। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने राजस्थान में दौसा जिले के गांव बगड़ी में मूक बधि ार दलित बालिका के साथ बीती चार अगस्त को हुये ।

गैंगरेप के आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग अशोक गहलोत की सरकार से की है। बसपा नेत्री मायावती ने रविवार को ट्वीट कर कहा कि ''गैंगरेप में आरोपी अभी तक पकड़े नहीं गये हैं।

पीड़ित परिवार की शिकायत है कि आरोपियों को सरकार का संरक्षण मिला हुआ है जो दुखद और निंदनीय है।''

उन्होंने कहा कि ''राजस्थान सरकार से मांग है

कि दलित विरोधी मानसिकता और कार्यशैली को त्याग कर रेप के सभी आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे,

यह बसपा की मांग है।''

सार–समाचार

बजरिया पुलिस ने 45 किलो गौ मास के साथ 7 मास तस्करो को किया गिरफ्तार

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में पुलिस ने प्रतिबंधित गौ मांस की तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने 7 लोगों को रंगे हाथ गौ मास के साथ गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस को तकरीबन 45 किलो गौ मांस बरामद हुआ। पकड़े गए लोग काफी समय से तस्करी के कारोबार में लिप्त हैं। आपको बता दें कि पुलिस को शहर में काफी समय से प्रतिबंधित गौ मांस की तस्करी की जानकारी मिल रही थी. सटीक सूचना पर एसपी पश्चिम के नेतृत्व में बजरिया पुलिस की टीम ने बकरमंडी से पुलिस ने गौ मांस के साथ मो राईस कुरैसी निवासी लाटूशरोड थाना अनवरगंज, मेराज अहमद,मो यासीन,इरफान,मो जैद,इरशाद,अबरार, को गिरफ्तार कर लिया। आपको जानकारी के अनुसार बता दे कि राईस कुरैसी इस कारोबार को बहुत ही दिन से संचालित कर रहा था। बीते दिनों थाना अनवरगंज पुलिस ने इसको मास के साथ रंगे हांथो पकड़ा था लेकिन ये गिरोह थाने से ही छोड़ दिया गया था। जिसको आज बजरिया पुलिस ने गौ मास के साथ गिरफ्तार कर के इसका खुलासा किया। ये गिरोह चौबेपुर थाने में भी गौ मांस का कारोबार करता था वहाँ भी पुलिस ने गिरफ्तार किया था लेकिन कुछ सफेद पोश और थाने में अच्छी पकड़ रखने वाले लोग हमेशा मदद करके छुड़ा लेते थे।

राष्ट्रीय विकलांग पार्टी ने आयोजित किया समस्या समाधान शिविर

कानपुर राष्ट्रीय विकलांग पार्टी के तत्वावधान में दिव्यांगजनो के लिए समस्या समाधान शिविर स्थान शास्त्री नगर सेन्टर पार्क मे आयोजित किया गयां। शिविर में विकलांगजनो ने विकलांग प्रमाण पत्र बनवाने की मांग उठाई द्य 8 सितम्बर को विकलांग व्यक्तियों के सामूहिक विवाह के लिए पंजीकरण किया जाएगां।

आज रेलवे यूनिक कार्ड,यू डी आई डी कार्ड,दिव्यांग पेशन, दुकान निर्माण व संचालन हेतु ?ण,दिव्यांग विवाह पुरस्कार योजना,ट्राईसाइकिल,बैसाखी, कान की मशीन,ब्लाइन्ड स्टिक व चस्मा आदि योजनाओ के फार्म भरे गयें।

राष्ट्रीय विकलांग पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव वीरेन्द्र कुमार ने कहा की विकलांग प्रमाण पत्र बनवाने के लिए जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया जाएगा ।

राष्ट्रीय विकलांग पार्टी प्रत्येक रवीवार व मंगलवार को दिव्यांगजनो की समस्याओ के समाधान के लिए शास्त्री नगर सेन्टर पार्क मे शिविर का आयोजन करती हैं।

दिव्यांगजन अपनी किसी भी प्रकार की समस्या के समाधान के लिए 9335234399 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

आज शिविर में प्रमुख रूप से राष्ट्रीय महासचिव वीरेन्द्र कुमार के अलावा अल्पना कुमारी,जिल? अध्यक्ष राहुल कुमार, अरविन्द सिंह, अशोक कुमार, पवन राने, बंगाली शर्मा,जौहर अली आदि शामिल थें।

प्रेमिका ने जहर खाकर दी जान तो प्रेमी ट्रेन के आगे कटा

चित्रकूट (एजेसी)। जिले में एक प्रेमी जोड़े ने अलग–अलग स्थानों पर आत्महत्या कर ली। जानकारी के मुताबिक कर्वी की रहने वाली सीमा निषाद (20) ने शुक्रवार की देर रात अपने घर में जहरीला पदार्थ खा लिया जिससे उपचार के दौरान शनिवार को उसकी मौत हो गयी।

उधर, युवती की मौत से सदमे में आये द्वारिकापुरी मुहल्ले के निवासी प्रेमचन्द्र निषाद (22) ने शनिवार दोपहर चन्द्रगहना गांव के पास ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली। बताया जाता है कि अब तक की जांच में सामने आया कि युवक और युवती के बीच पिछले दो साल से प्रेम प्रसंग था। दोनों परिवारों ने शादी करने का फैसला भी कर लिया था,

लेकिन बाद में किसी कारण यह शादी टूट गई। शुक्रवार की देर शाम युवक प्रेमचन्द्र युवती से मिलने उसके घर गया था मगर तभी युवती के भाई ने अपने दोस्तों की मदद से उसकी पिटाई कर दी थी,

जिससे क्षुब्ध होकर युवती ने जहर खा लिया। युवती की मौत की सूचना मिलने के बाद युवक ने ट्रेन से कटकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने शवों का पोस्टमॉर्टम कराया है।

लखीमपुर खीरी में पूर्व विधायक की हत्या पर विपक्ष ने साधा योगी सरकार पर निषाना

लखनऊ (एजेसी)। लखीमपुर खीरी में पूर्व विधायक निर्वेद्र कुमार मिश्रा उर्फ मुन्ना की जमीन के विवाद में कथित हत्या को लेकर विपक्ष ने प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार को आड़े हाथों लिया है।

पूर्व विधायक निर्वेन्द्र मिश्रा की मौत के बाद सियासत गर्मा गई है।

प्रमुख विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के मुखिया एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पूर्व विधायक की मौत पर जिम्मेदार यूपी सरकार को ठहराया है।

ट्वीट के जरिए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में जनता कानून–व्यवस्था के विषय पर चिंतित ही नहीं भयभीत भी है। उन्होंने लिखा कि पुलिस की उपस्थिति में रविवार को दिन दहाड़े लखीमपुर में तीन बार के विधायक रहे निर्वेन्द्र कुमार मिश्रा की हत्या और उनके पुत्र पर का. तिलाना हमले से पूरा प्रदेश हिल गया है।

उन्होंने ट्वीट के जरिए पूर्व विधायक को श्रद्धाजंलि भी दी।

वहीं बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने कहा कि यूपी लखीमपुर खीरी के पूर्व विधायक निर्वेन्द्र कुमार मिश्र उर्फ मुन्ना की निर्मम हत्या व इसी जिले में छात्रा की दुष्कर्म के बाद फन्दा लगाकर की गई हत्या की घटनायें अति–दुरूखद व चिन्ताजनक। सरकार दोषियों के खिलाफ ऐसी सख्त कार्रवाई करे जिससे ऐसी दर्दनाक घटनायें प्रदेश में रूकें।

इस बीच लखीमपुर के एसपी सतेन्द्र कुमार ने बताया कि जमीन के विवाद को सुलझाने गए पूर्व विधायक निर्वेन्द्र की दूसरे पक्ष के लोगों से धक्का–मुक्की हुई थी। विवाद के दौरान वह गिर गए थे जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

इसके बाद उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया मौत हार्टअटैक से होना बताई जा रही है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण पता चल पाएगा।

बताया जाता है कि पूर्व विधायक निर्वेन्द्र मिश्रा ने अपनी साढ़े तीन एकड़ जमीन किसी के हाथ बेची थी।

जिसने जमीन खरीदी थी उसने जमीन की पैमाइश के लिए अर्जी डाली थी। इसकी पैमाइश हुई तो वह जमीन साढ़े तीन की जगह साढ़े चार एकड़ निकली।

इस मामले पर विवाद चल रहा था। इसी बात को सुलझाने के लिए रविवार को पूर्व विधायक दूसरे पक्ष से मिलने गए थे।

मृतक पत्रकार के परिवार का सहारा बनी पूर्व सांसद अन्नू टंडन

पत्रकार भाई रणविजय सिंह की 4 साल पहले मार्ग दुर्घटना में असमय म?त्यु से परेशानी में आये उनके परिवार को अपने जीवन का

हिस्सा बनाकर घर के लिये हर माह जरूरत के समान से लेकर 3 बेटियों और 1 बेटे की शिक्षा का जिम्मा उठाये पूर्व सांसद अन्नू टण्डन जी ने भाई रणविजय की बड़ी बेटी की ऑनलाइन क्लास में एंड्राइड मोबाईल की जरूरत की बात बताने पर दीदी अन्नू टण्डन जी ने बच्चों को स्टेशनरी के अलावा बेटी प्रिया सिंह को मोबाइल भेंट किया।

पंचायत भवन निर्माण के दौरान मिला खजाना

उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में सफीपुर तहसील क्षेत्र के कन्हऊखेड़ा गांव में पंचायत भवन निर्माण के लिए की गई खुदाई में चांदी और तांबे के सिक्के निकले हैं. इसके बाद निर्माण कार्य को रोक दिया गया।

दरअसल, गांव से लगभग थोड़ी दूर पर ग्राम पंचायत सचिवालय निर्माण के लिए नींव की खुदाई काम काम शुरू कराया गया था।

नींव खुदाई के दौरान मजदूरों को मिट्टी के घड़े से चांदी और तांबे के सिक्के मिले थे. इन्हें तहसील प्रशासन की ओर से पुरात्व विभाग को भेज दिया गया है।

एसडीएम राजेंद्र प्रसाद ने आगे काम रुकवा दिया है. उनका कहना है कि गांव में बने राम मंदिर के निकट इस स्थान पर अन्य कोई धरोहर भी होने की संभावना हो सकती है.

नींव खुदाई के दौरान मजदूरों को मिट्टी के घड़े से चांदी और तांबे के सिक्के मिले थे. इन्हें तहसील प्रशासन की ओर से पुरात्व विभाग को भेज दिया गया है. एसडीएम राजेंद्र प्रसाद ने आगे काम रूकवा दिया है. उनका कहना है

कि गांव में बने राम मंदिर के निकट इस स्थान पर अन्य कोई ध रोहर होने की संभावना हो सकती है।

एसडीएम ने ग्राम प्रधान के पति सुभाष को अपनी निगरानी में आगे की खुदाई कराने के निर्देश दिए. प्रधान के अनुसार, पड़ोस में स्थित राम मंदिर लगभग 100 वर्ष पुराना है।यह मंदिर गांव की आबादी के बाहर है।आगे खुदाई कराने में सतर्कता बरती जाएगी,

बता दें, कि कन्हऊखेड़ा ग्राम में 1 सितंबर को वहां पर पंचायत भवन के लिए खुदाई किया जा रहा था तभी उसमें 17 चांदी के सिक्के और 87 तांबे के सिक्के मिले हैं.

एसडीएम का कहना है कि हमने खुदाई में मिले सिक्के ट्रेजरी में जमा करने के लिए भेज दिए हैं. साथ ही पूरा प्रयास किया जा रहा है कि पुरातत्व विभाग द्वारा इसकी जांच कराई जाए. इसमें और आगे कार्रवाई की जाएगी. खुदाई में1962 से लेकर के 1919 तक की सिक्के मिले हैं इसमें1960,1880,1918,1917,1890,1923,1904,1917,1870,1901,1907, 1906,1887,1904, और 1862 के सिक्के मिले हैं. अभी खुदाई की जा रही है।

गौरव चंदेल हत्याकांड का मुख्य आरोपी आशु जाट मुंबई में गिरफ्तार

नोएडा (एजेसी)। नोएडा के बहुचर्चित गौरव चंदेल हत्याकांड के मुख्य आरोपी आशु जाट को हापुड़ पुलिस की एसओजी टीम ने शनिवार को मुम्बई के विलेपार्ले पश्चिमी प्रेमनगर आलुवा. डी की ईला मार्केट से गिरफ्तार किया गया है। गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद और हापुड़ पुलिस को आशु की पिछले काफी समय से तलाश थी। 6 जनवरी रात को पर्थला से गौड़ सिटी जाने वाले रोड पर गुरुग्राम की कंपनी के रीजनल मैनेजर गौर सिटी के फिफ्थ एवेन्यू निवासी गौरव चंदेल के सिर में गोली मारकर हत्या कर दी थी। बदमाशों ने कार, नकदी, दो मोबाइल, लैपटॉप लूटने के बाद पर्थला–गौड़ सिटी के सर्विस रोड स्थित हिंडन विहार स्टेडियम के किनारे लाश को फेंककर फरार हो गए थे। पुलिस जांच के दौरान वारदात में मिर्ची गैंग के मुखिया आशु जाट का नाम सामने आया था। फिर हापुड़ पुलिस ने उसकी पत्नी और उमेश को गिरफ्तार किया था, जबकि मुख्य आरोपी का कोई सुराग नहीं लगा था। हापुड़ पुलिस की एसओजी को सूचना मिली थी कि आरोपी मुम्बई में छिपा है। इसके बाद दस दिन पहले एसओजी मुम्बई पहुंच गई थी। यहां पर आरोपी ईला मार्केट में फल बेच रहा था।

तभी एसओजी ने आशु जाट को गिरफ्तार किया। आरोपी आशु पिछले करीब कई महीनों से जोगेश्वरी पश्चिम में रह रहा था। हापुड़ पुलिस आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर लेकर आ रही है। नोएडा पुलिस गौरव चंदेल हत्याकांड में पूछताछ के लिए आरोपी आशु को मुम्बई से प्रोडक्शन वारंट पर लेकर आएगी। नोएडा एडीसीपी रणविजय ने बताया कि मुम्बई पुलिस से बात. चीत की गई है। जल्द ही आरोपी को प्रोडक्शन वारंट लाया जाएगा। पूछताछ के दौरान आरोपी कई अन्य मामलों के खुलासे भी कर सकता है।

दहेज के भेड़ियों ने दबाता को लटकाया फांसी पर विवाहिता को दहेज के खातिर लटकाया फांसी के फंदे पर

मैनपुरी (एजेसी)कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गढ़िया की निवासिनी श्रीमती नीतू देवी उम्र 26 वर्ष को पति पुनीत पुत्र शिशुपाल ने दहेज की अतिरिक्त मांग को विवाहिता को फांसी पर लटका कर उसकी हत्या कर दी । मृतका के मायके पक्ष के कुछ लोगों ने पोस्टमार्टम हाउस के सामने बताया के अपने औकात से बढ़कर नीतू की हिंदू रीति रिवाज के अंतर्गत शादी संपन्न की थी। लड़का पक्ष के दहेज लोभी सास नदन एवं पति के द्वारा एक फोर व्हीलर कार तथा 5000000 रुपए की अतिरिक्त मांग करना शुरू कर दिया कई बार वधू पक्ष के लोगों से भी फोन पर विशेष मांग करते रहे। और मृतका नीतू ने

अपने पति और सास सहित मम्मी या ससुर के विरुद्ध उत्पीड़न एवं दहेज संबंधी लिखित में प्रार्थना पत्र पुलिस अधीक्षक मैनपुरी को कई बार दिया जा चुका था। मृतका की बहन रेखा ने बताया की हमारी बहन नीतू को आए दिन दहेज को लेकर प्रताड़ित करते थे । जिसके लिखित प्रार्थना पत्र थाना कोतवाली मैं दिया गया था जिस पर प्रभारी निरीक्षक कोतवाली ने समझौता कराकर पूरी कार्रवाई कर ली थी । और यदि समय रहते उचित कार्रवाई होती तो आज मेरी बहन की हत्या नहीं हो पाती।

फिर सुर्खियों में लखीमपुर खीरी, फंदे पर झूलती मिली किशोरी, रेप के बाद हत्या का आरोप

लखीमपुर खीरी (एजेसी)। उप्र के लखीमपुर खीरी जिले में एक के बाद एक दुराचार और फिर हत्या की घटनायें हो रही हैं जिससे जिला सुर्खियों में बना हुआ है। एक बार फिर जिले के नीमगांव थाना क्षेत्र में रविवार की सुबह एक 14 साल की दलित किशोरी की लाश लटकती मिली। परिजनों ने गांव के ही एक युवक पर रेप के बाद हत्या का आरोप लगाया है। बीते 15 दिनों के अंदर यह चैथी वारदात है जिसमें रेप और हत्या की बात कही जा रही है।

जानकारी के मुताबिक नीमगांव थाना क्षेत्र के एक किसान ने बताया कि शनिवार की रात उसकी पुत्री छत पर सो रही थी और वहीं से गायब हो गई। सुबह जब उसे अपने घर से कुछ दूर के खाली पड़े मकान में आहट सुनाई दी तो वह वहां गया। वहां उसकी बेटी की लाश फंदे से लटक रही थी और गांव का एक युवक भागता दिखाई दिया।

इसके बाद लड़की के घर वालों ने आरोपी युवक का घर घेर लिया और जमकर हंगामा हुआ। इस बीच आरोपी युवक वहां से भाग जाने में कामयाब रहा।

किशोरी के पिता ने रेप के बाद हत्या का आरोप लगाया है। इस मामले में पुलिस परिजनों की कहानी पर पूरा यकीन नहीं कर रही।

एसपी सतेंद्र कुमार ने बताया कि मृतका की पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई की जायेगी।

यूपी में कोरोना ने तोड़ा अपना ही रिकार्ड, एक दिन में मिले सबसे अधिक 6777 नए मामले

लखनऊ (एजेसी)। उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में उछाल जारी है। संक्रमण के मामले नित्यप्रति बढ़ते ही जा रहे हैं। हर दिन कोरोना संक्रमण अपना ही रिकार्ड तोड़ रहा है। रविवार को राज्य में 6777 नए लोगों में कोविड–19 पाया गया है। यह एक दिन में मिले अब तक की सर्वाधिक संख्या है। इससे पहले कल यानी शनिवार को सबसे अधि ाक 6692 केस दर्ज हुए थे। वहीं प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में कोविड–19 संक्रमित 77 और लोगों की मौत के साथ इस वायरस से मरने वालों की संख्या 3920 हो गयी। प्रदेश के अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि 6777 नए मामलों के साथ प्रदेश में कुल संक्रमितों की संख्या अब दो लाख 66 हजार 283 हो गई है। राज्य में इलाज के बाद ठीक हो चुके लोगों की संख्या अब दो लाख के आंकड़े को पार कर गई है। उन्होंने बताया कि अभी तक डिस्चार्ज किए गए लोगों की संख्या दो लाख 738 हो गई है। उन्होंने बताया कि राज्य में फिलहाल कोरोना के 61 हजार 625 सक्रिय मामले हैं। इनमें से आधे से अधिक यानी 32 हजार 94 लोग होम आइसोलेशन में हैं। अब तक एक लाख 28 हजार 802 लोगों ने होम आइसोलेशन विकल्प लिया है और 91 हजार 708 की होम आइसोलेशन अवधि समाप्त हो चुकी है यानी अब वे ठीक हो चुके हैं। उत्तर प्रदेश में कोरोना के कारण अभी तक 3920 लोगों की जान गई है। अपर मुख्य सचिव प्रसाद ने बताया कि हम अपनी टेस्टिंग क्षमता को लगातार बढ़ा रहे हैं और इस क्षेत्र में शनिवार को हमने एक नया बेंचमार्क स्थापित किया है। कल प्रदेश में एक लाख 55 हजार 946 सैंपल्स की जांच की गई। पिछले कुछ दिन से हम 1.50 लाख टेस्टिंग करने की बात कर रहे थे, जिसे हासिल कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में अभी तक 65 हजार 969 कोरोना नमूनों की जांच हो चुकी है। यह देश में किसी भी राज्य द्व ारा की गई सर्वाधिक टेस्टिंग है। कल उत्तर प्रदेश में आरटीपीसी. आर जांच के लिए 45 हजार 538 सैंपल्स भेजे गए थे।

इस बीच, अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी ने बताया कि उत्तर प्रदेश में कंटेनमेंट जोन की संख्या अब 18 हजार 380 हो गई है। जिनमें लगभग 15 लाख 46 हजार मकान चिन्हित हैं।

भाजपा सांसद बोले-स्वाभिमान की बात आई तो खुद ठोक दूंगा

भदोही (एजेसी) उत्तर प्रदेश के बलिया जिले से भारतीय जनता पार्टी के सांसद और भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह मस्त ने रविवार को कहा कि स्वाभिमान की बात आई तो मैं हत्या करने के लिए अपराधियों की तलाश नहीं करूंगा बल्कि स्वयं ही ठोक दूंगा।

रविवार को किसान मोर्चा अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह मस्त भदोही शहर के इंदिरा मिल स्थित स्वदेशी आश्रम में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान जब भदोही जिले की ज्ञानपुर विधानसभा सीट से बाहुबली विधायक विजय मिश्रा को लेकर सवाल हो रहे थे तभी सांसद सिंह ने कहा कि स्वाभिमान पर ठेस पहुंची तो हत्या कराने के लिए किसी बदमाश की तलाश नहीं करूंगा बल्कि मैं खुद ठोक दूंगा। साथ ही उन्होंने कहा कि जिला पंचायत अध्यक्ष का पद किसी की बपौती नहीं है। तीन बार भदोही से सांसद और वर्तमान में बलिया से सांसद पर जेल में बंद विधायक विजय मिश्रा ने एक वीडियो जारी कर वीरेंद्र सिंह सहित कई लोगों पर अपनी हत्या कराने की साजिश का आरोप लगाया है। सांसद ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा की हत्या करने और कराने वाले मेरे कभी विषय ही नहीं रहे और ना तो वह किसी की तलाश करते है और ना ही किसी की परवाह करते है। विजय मिश्रा ने हत्या कराने की बात क्यों कह रहे है ये वह जाने और यह उनका सर्वाधिकार है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्पा में काम करनेवाली थाईलैंड की युवती का जला हुआ शव मिला

सूरत शहर के मगदल्ला गाम के भैयाभाई स्ट्रीट के एक मकान में थाईलैंड की एक युवती का जला शव बरामद होने से सनसनी फैल गई।

मिम्मी नामक मृतक युवती सूरत के स्पा में काम करती थी और भैयाभाई स्ट्रीट के एक मकान में किराए पर रहती थी। पुलिस ने एफएसएल की मदद से मामले की जांच शुरू की है।

जानकारी के मुताबिक सूरत के मगदल्ला गाम स्थित भैयाभाई

स्ट्रीट में नगीनभाई पटेल का मकान है। जिसमें थाईलैंड की मिम्मी नामक 27 वर्षीय किराए पर रहती थी। सूरत के स्पा में काम करनेवाली मिम्मी और उसकी सहेली को कल रात 8.30 बजे कोई घर पर छोड़ गया था।

हांलाकि मिम्मी के मकान के दरवाजे पर बाहर से ताला जड़ा देख आसपास के लोगों को शक हुआ और उन्होंने दरवाजा तोड़कर देखा तो भीतर मिम्मी का जला शव पड़ा था।

कमरे का एक हिस्सा भी जल गया था।

स्थानीय लोगों ने तुरंत पु. लिस को घटना की सूचना दी। एफएसएल के साथ पुलिस घटना. स्थल पर पहुंच गई और मामले की जांच शुरू कर दी।

पुलिस के मुताबिक मामला संदिग्ध है और फिलहाल एफएसएल जांच कर रही है। एफएसएल और पोस्टमार्टम की रिपोर्ट के बाद मिम्मी की मौत की सच्चाई सामने आएगी।

पांच महीने बाद सूरत एयरपोर्ट पर शुरु हुई घरेलू हवाई सेवा

सूरत कोरोना संकट के बीच आज पांच महीने बाद सूरत हवाई अड्डे से घरेलू हवाई सेवा शुरू हो गई। सूरत हवाई अड्डे पर आज 20 विमानों ने आवागमन कियां। कोरोना संकट के लॉकडाउन के

बाद अब अनलॉक में जनसुविधाओं में धीरे धीरे वृद्धि की जा रही हैं।

इसके अंतर्गत अब घरेलू उड़ानों को भी मंजूरी दी गई है। रविवार को सूरत हवाई अड्डे से देश के विभिन्न शहरों के लिए विमानों ने उड़ान भरी।

जिसमें दिल्ली, बेंगालूरु, कोल. काता और हैदराबाद इत्यादि शहर शामिल हैं। कोरोना का कहर बढ़ने के बाद केवल दिल्ली के बीच हवाई सेवा जारी थी। लेकिन अब स्थिति धीरे धीरे सामान्य हो रही है और उसी आधार पर हवाई सेवा भी बढ़ाई जा रही है।

आगामी दिनों में साप्ताहिक और सप्ताह में दो दिन की फ्लाइटें शुरू किए जाने की संभावना है।

भाजपा और कांग्रेस के और एक–एक विधायक कोरोना संक्रमित

अहमदाबाद गुजरात में कोरोना का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है और गुजरात भाजपा और कांग्रेस के नेता इसकी चपेट में आ रहे हैं। राज्य में अब तक भाजपा और कांग्रेस के 20 नेता कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। हांलाकि 5 नेताओं को छोड़ अन्य सभी ठीक हो चुके हैं। सूरत में भाजपा विधायक हर्ष संघवी के बाद अब करंज के भाजपा विधायक प्रवीण घोघारी कोरोना की चपेट में आ गए हैं। प्रवीण घोघारी ने कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद ट्वीट कर यह जानकारी दी। बीते दिन अमरेली के राजूला निर्वाचन क्षेत्र के अंबरीश डेर की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने इसकी पुष्टि की थी।

रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद अंबरीश डेर अपने फार्म हाउस में कोरन्टाइन हो गए हैं और उनकी तबियत स्थिर है।

स्वास्थ्य विभाग ने डेर के फार्म हाउस को कंटेंटमेंट झोन घोषित कर दिया है।

गुजरात में कोरोना संक्रमित होने के बाद स्वस्थ होने वाले भ. ाजपा विधायकों में किशोर चौहाण, बलराम थवाणी, पूर्णेश मोदी, जगदीश पंचाल, केतन ईनामदार, वीडी झालावाडिया, राज्य सरकार के मंत्री रमण पाटकर, और हकुभा जाडेजा शामिल हैं।

वहीं कांग्रेस विधायकों में सीजे चावडा, इमरान खेडावाला, निरंजन पटेल, कांति खराडी, चिराग कालरिया, गेनी ठाकोर, रघु देसाई शामिल हैं।

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला भी स्वस्थ हो चुके हैं।

जबकि पूर्व केन्द्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता भरतसिंह सोलंकी पिछले ढाई महीने से अस्पताल में उपचाराधीन हैं।

वहीं भाजपा विधायक हर्ष संघवी, नीमा आचार्य, भाजपा सांसद रमेश धडुक और राज्य सरकार के मंत्री हकुभा जाडेजा उपचाराधीन हैं। पश्चिमी अहमद. ाबाद से सांसद डॉ. किरीट सोलंकी होम कोरन्टाइन हैं।

कार को टक्कर मार भाग रहे ट्रक को रोकने पर ड्राइवर ने युवक को रौंदा

अहमदाबाद शहर के एसपी रिंग रोड पर रामोल टोल टेक्स के निकट राजस्थान पासिंग के एक ट्रक ने उसे रोकने का प्रयास कर रहे युवक को रौंद दिया।

गंभीर हालत में युवक को अहमदाबाद के एलजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। यह घटना तब हुई ट्रक बोलेरो कार को टक्कर मारने के बाद भागने का प्रयास कर रहा था।

जानकारी के मुताबिक खेडा जिले की नडियाद तहसील के फतेपुर निवासी अल्पेश परमार अपने चाचा रमेभाई के घर बतौर ड्राइवर नौकरी करता है।

दो दिन पहले अल्पेश अपने चाचा के पुत्र राजेश के साथ हरी मकाई लादकर मेहसाणा गया था।

मेहसाणा में माल उतारने के बाद देर रात अल्पेश और राजेश नडियाद के लिए रवाना हुए थे। तड़के अहमदाबाद के एसपी रिंग रोड स्थित रामोल टेक्स पर वाहनों की कतार में खड़े थे। उस वक्त पीछे से राजस्थान पार्किंग का एक ट्रक आया और उसने बोलेरो को टक्कर मार दी।

ट्रक की टक्कर लगनेसे बोलेरो आगे के वाहन से टकरा गई और उसकी दोनों हेडलाइट टूट गई।

हेडलाइट नुकसान की भरपाई को लेकर दोनों के बीच कहा सुनी हुई।

इस दौरान पीछे वाहनों की लंबी लाइन होते देख बोलेरो साइड में खड़ी कर दोनों ट्रक चालक के आने की प्रतीक्षा करने लगे।

लेकिन ड्राइवर ने आगे ट्रक रोकने के बजाए स्पीड बढ़ा दी। ट्रक को भागते देख अल्पेश के चचेरे भाई राजेश ने उसे रोकने का प्रयास किया।

लेकिन ट्रक रोकने के बजाए ड्राइवर ने राजेश को रौंद दिया और वहां ट्रक लेकर वहां से फरार हो गया।

एम्ब्युलैंस 108 में राजेश को अहमदाबाद के एलजी अस्पताल पहुंचाया गयाद्य जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने फरार ट्रक ड्राइवर के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर उसकी तलाश में कई टीमों को लगाया है।

एसओजी ने 5 लाख के ड्रग्स के साथ दो शख्सों गिरफ्तार

सूरत एसओजी ने शहर के पूणा क्षेत्र से दो शख्सों को 5 लाख कीमत के 100 ड्रग्स के साथ गिरफ्तार कर लिया।

सूरत एसओजी को सूचना मिली थी कि शहर के पूणा क्षेत्र में दो शख्सों के पास ड्रग्स है।

सूचना के आधार पर सूरत एसओजी ने पूणा क्षेत्र से दो शख्सों को ड्रग्स के साथ गिरफ्तार कर लिया।

दो शख्सों से बरामद ड्रग्स की कीमत पांच लाख रुपए बताई गई है।

पकड़े गए दोनों शख्स 2019 में भी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

संजय राउत की अहमदाबाद पर विवादित टिप्पणी,भाजपा ने कहा–माफी मांगे

अहमदाबाद शिवसेवा सांसद संजय राउत ने अहमदाबाद को लेकर विवादित टिप्पणी की है। गुजरात भाजपा के नेता अल्पेश ठाकोर ने संजय राउत से माफी मांगने की मांग की है और ऐसा नहीं करने पर अहमदाबाद में उनका मुंह काला करने की चेता. वनी दी है। दरअसल सुशांतसिंह राजपूत मामले को लेकर बोलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत लगातार शिवसेना पर प्रहार कर रही है। कंगना हाल ही कहा था कि उन्हें

मुंबई पाकिस्तान अधिक कश्मीर लगता है।

कंगना के इस बयान से भड़के शिवसेना सांसद संजय राउत ने पलटवार करते हुए अहमदाबाद को लेकर विवादित टिप्पणी कर दी। संजय राउत ने कहा कि कंगना रनौत मुंबई को मिनी पाकिस्तान कहती हैं, लेकिन क्या वह अहमद. ाबाद को मिनी पाकिस्तान कहने की हिम्मत कर सकती है? संजय राउत की इस टिप्पणी से गुजरात भाजपा भड़क गई। भाजपा नेता अल्पेश ठाकोर ने ट्वीट कर कहा ''अहमदाबाद पराक्रमी और दानवीरों की भूमि है। अहमदाबाद आपको ऐसी भाषा का प्रयोग करते हुए शर्म आनी चाहिए। आपको अहमदाबाद के नागरिकों से माफी मांगनी चाहिए।'' अल्पेश ठाकोर ने कहा कि कंगना के साथ विवाद में संजय राउत को अहमदाबाद को नहीं घसीटना चाहिए। यदि संजय राउत से गलती हुई है तो माफी मांग लें। वर्ना जब कभी भी संजय राउत अहमदाबाद आएंगे उनका मुंह काला किया जाएगा।

अल्पेश ठाकोर ने कहा कि संजय राउत ने पूरे होशोहवास में गांधी और सरदार की भूमि है। अहमदाबाद तो दधीचि जैसे ऋषिमुनियों की भूमि है। संजयजी अहमदाबाद पर विवादित टिप्पणी की है और इसके लिए उन्हें माफी मांगनी पड़ेगी।

कोरोना के बहाने सरकारी महकमों में भर्तियों पर रोक क्यों ??

डॉव सत्यवान सौरभ,
रिसर्च स्कॉलर इन पोलिटिकल साइंस, दिल्ली यूनिवर्सिटी,
कवि,स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार, आकाशवाणी एवं टीवी पेनालिस्ट

देश भर में कोरोना काल के कारण युवाओं को रोजगार में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा रहा है। जिसकी वजह से वो आज मानसिक तनाव में है. मार्च माह से ये खबर कि वित्त मंत्रालय द्वारा सभी सरकारी महकमों में निकलने वाली सरकारी नौकरियों पर रोग लगा दी है, बेरोजगार युवाओं को कोरोना से भी ज्यादा डरा रही है। लेकिन इसके बाद अब छह माह बाद खुद वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट कर दिया है सरकारी पोस्ट की भर्ती पर कोई रोक नहीं लगाई गई है। सरकारी एजेंसियों जैसे एसएससी, यूपीएससी, रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड पहले की तरह ही भर्तियां करेंगी। इसके साथ–साथ मंत्रालय ने साफ किया कि व्यय विभाग का जो 4 सितंबर का सर्कुलर है वो पदों के निर्माण के लिए आतंरकि प्रक्रिया से जुड़ा है।

अपनी बात सरकार तक पहुंचाएगा जिस भाषा में सरकार समझती है

सरकारी नौकरियों पर प्रतिबंध होने की बात देश भर में राज्य सरकारों के द्वारा भी सामने आई। राजधानी से सटे हरियाणा राज्य में पिछले छह माह से भर्ती प्रक्रिया बंद ही समझी जाये. हरियाणा सरकार ने कोरोना लॉक डाउन से पहले जो भर्ती विज्ञापन जारी किये थे उन पर कोई काम नहीं किया है, नई भर्ती की बात तो दूर. यही नहीं मार्च माह में यहाँ राज्यभर के आईटीआई संस्थानों यानि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में अनुदेशकों के पदों के लिए जारी किये गए परिणाम के बाद डॉक्युमनेट वेरिफिकेशन के लिए जारी शेडूल को भी दोबारा से शुरू कर भर्ती को कोरोना के नाम पर लटका दिया है .

राज्य भर में प्राइमरी शिक्षकों के दस हज़ार पद खाली होने के रहा जाता है? इसी तरह हरियाण ा सरकार ने अन्य विभागों की भर्तियां कोरोना के नाम पर ठन्डे बस्ते में भेज दी गई है.

केंद्र सरकार ने तो कह दिया है कि भर्तियों पर रोक मात्र अफवाह है. वित्त मंत्रालय ने एकनोटिफिकेशन जारी करते हुए साफ किया है कि भारत सरकार में खाली पदों को भरने के लिए किसी भी नई भर्ती पर रोक नहीं लगाई गई है। मंत्रालय ने बताया कि व्यय विभाग (04 सितंबर 2020) का जो सर्कुलर है, वो पदों के निर्माण के लिए आंतरिक प्रक्रिया से संबंधित है और यह किसी भी तरह से भर्ती को प्रभावित नहीं करता है।

मगर हरियाणा राज्य के अभ्यर्थी तो भर्ती परीक्षा पास करने के बाद भी डाक्यूमेंट्स वेरफिकेशन के लिए दर–दर गुहार लगा रहें है. हरियाणा में बेरोजगारी व सरकार की तानाशाही के खिलाफ

हरियाणा में युवाओं और बेरा. `जगार अभ्यर्थियों के लिए संघर्षरत स्वेता ढुल ने सोशल मीडिया के माध्यम से बताया कि युवाओं की ताली ,थाली औ- घन्टी की आवाज अब सरकार को सुननी चाहिए. युवाओं को चाहिए अब रोजगार कि सख्त जरूरत है. आज जारी आंकड़ों में हरियाणा बेरोज़गारी में नम्बर एक पर है । यहाँ कि सरकार ने सभी भर्तियों को पंचवर्षीय योजना बनाकर रख दिया है । कुछ तो पांच साल से ज्यादा भी लटकी पड़ी है ।बहुत सी भर्तियों में जमकर धांधली हुई है। आप कुछ कर ही नही रहे । हरियाणा स्टाफ सिलेक्शन का ना कोई सलेब्स ,ना कोई टाइम टेबल । प्रश्न पत्रों में गलतियां ,उतर कुंजी में गलतियां । आर टी आई का कोई जबाब नही । इन सब अत्याचारों को बंद कर सरकार को युवाओं की पुकार सुननी चाहिए.

हरियाणा में पिछले सात सालों में 91: युवा यहाँ की सरकारी भर्ती प्रक्रिया से नाखुश रहे जबकि 9: संतुष्ट सजो भर्तियां हुई भी वो सेक्शन भी काफ़ी रोष परिपूर्ण रहा सऐसे में युवाओं को गंभीरता से न लेना व बेरोज़गारी को समस्या ही न समझना व उस पर एक्शनऋमोड में काम न करना यहाँ की मौजूदा सरकार पर भारी पड़ सकता है ! केंद्र सरकार को नोटिफिकेशन के साथ–साथ राज्य सरकारों को भी निर्देश देना चाहिए कि जल्द से जल्द भर्तियों से जुड़े सभी इश्यूज सॉल्व करें व बेरोज़गारी कम करने हेतु ठोस कदम उठाये जाएं. अन्यथा भारत को बेरोजगारों का देश बनते देर नहीं लगेगी.

(हरियाणा राज्य के घर–घर में 5 तारीख़ को शिक्षक दिवस के दिन शाम को 5 बजे 5 मिनट के लिए ताली, थाली या घंटी बजी. राज्य का हर बेरोज़गार युवा और उनके समर्थन में लोग छतों पर दिखे. राज्यभर के आईटीआई संस्थानों यानि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में अनुदेशकों के पदों के लिए जारी किये गए परिणाम के बाद डॉक्युमनेट वेरिफिकेशन के लिए जारी शेडूल को भी दोबारा से शुरू कर भर्ती को कोरोना के नाम पर लटका दिया है .क्या सरकारी भर्तियों के लिए अब इस मुहीम में सारा भारत एक साथ उतरेगा और उसी भाषा में अपनी बात सरकार तक पहुंचाएगा जिस भाषा में सरकार समझती है)

गुजरात में कोरोना के 1335 नए केस, 1212 हुए ठीक, 14 मरीजों की मौत

गुजरात में कोरोना की स्थिति गंभीर होती जा रही हैद्य आज लगातार छठवें 1300 से अधिक कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए हैं।

दूसरी ओर आज 1212 लोगों की डिस्चार्ज किया गया है, वहीं 14 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। आज 72561 समेत राज्यभर में अब तक कुल 2780681 टेस्ट किए गए। जिसमें अब तक राज्य में 104341 कोरोना पॉजिटिव के मामले दर्ज हो चुके हैं। हांलाकि इसमें 84758 लोगों को डिस्चार्ज किया जा चुका है और 3108 मरीजों की अब तक कोरोना से मौत हो चुकी है। 16475 एक्टिव केसों में 16383 की हालत स्थिर है और 92 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं।

आज अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 3, सूरत कॉर्पोरेशन में 3, सूरत में 2, गांधीनगर में 1, गिर सोमनाथ में 1, कच्छ में 1, मोरबी में 1, राजकोट कॉर्पोरेशन में 1 और वडोदरा कॉर्पोरेशन में 1 समेत कुल 14 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई।

रविवार को राज्यभर में 1335 कोरोना के नए केस सामने आए हैं। सूरत कॉर्पोरेशन में 185,

अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 152, जामनगर कॉर्पोरेशन में 97, राजकोट कॉर्पोरेशन में 101, सूरत में 110, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 90, राजकोट में 50, वडोदरा में 37, अमरेली में 23, भावनगर कॉर्पोरेशन में 27, भरुच और भावनगर में 22–22, मेहसाणा और कच्छ में 29–29 और पंचमहल में 31 समेत राज्य में कुल 1335 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए।

वहां 1212 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)